UJVN L

UJVN LIMITED
यूजेवीएन लिमिटेड
Generating for Generations

जल निधि

केवल आन्तरिक प्रसार हेतु

जनवरी 2020

For internal circulation only

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय उज्ज्वल में आयोजित कार्यक्रम में सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष यूजेवीएन लिमिटेड श्रीमती राधिका झा, प्रबन्ध निदेशक श्री एस.एन. वर्मा एव निगम के अधिकारीगण

सन्देश....

सभी साथियों को 71वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी "जलनिधि" न्यूज लैटर का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें निगम की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ दी जाएंगी।

मैं आशा करती हूँ कि निगम के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा पूर्ण मनोयोग, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं समर्पण की भावना के साथ अपने-अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन किया जायेगा।

उपरोक्त कामना सहित यूजेवीएन लिमिटेड परिवार को "जलनिधि" पत्रिका के सफल प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं।

राधिका झा भा.प्र.से.
सचिव ऊर्जा एवं
अध्यक्ष यूजेवीएन लिमिटेड

सन्देश....

साथियो, 71वें गणतन्त्र दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

मुझे अत्यन्त हर्ष के साथ सूचित करना है कि यूजेवीएन लिमिटेड के परिचालन, परियोजनाएं, वित्त एवं मानव संसाधन सहित समस्त विभाग पूर्ण दक्षता से कार्य कर रहे हैं।

विभिन्न विद्युतगृहों द्वारा अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों को समय से पूर्व ही प्राप्त किया जा चुका है तथा कुछ विद्युतगृह इसे जल्द ही प्राप्त कर लेंगे। हमारी निर्माणाधीन व्यासी, मध्यमहेश्वर, कालीगंगा–प्रथम एवं कालीगंगा–द्वितीय परियोजनाओं में द्रुत गति से कार्य चल रहे हैं। पुराने विद्युत गृहों के आधुनिकीकरण एवं उच्चीकरण के कार्य भी प्रगति पर हैं। यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा उत्तराखण्ड सरकार को वित्तीय वर्ष 2018–19 हेतु रु. 10.02 करोड़ का लाभांश दिया गया है। निगम में नवीन नियुक्तियों के साथ ही विभिन्न संवर्गों में प्रोन्नतियां भी की गई हैं। साथ ही निगम कार्मिकों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाये जाने हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता रहा है।

मैं जलनिधि के प्रकाशन पर सभी को बधाई देते हुए आशा करता हूँ कि निगम कार्मिक अपने कार्यों एवं दायित्वों का भलीभांति निर्वहन कर प्रदेश को ऊर्जा प्रदेश बनाने में अपना सहयोग देंगे।

एस॰ एन॰ वर्मा
प्रबन्ध निदेशक

सन्देश....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सम्पूर्ण राष्ट्र अपना 71 वाँ गणतन्त्र दिवस मना रहा है। 71वें गणतन्त्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व के शुभ अवसर पर निगम के सभी अधिकारियों, कार्मिकों एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उत्तराखण्ड राज्य को ऊर्जा प्रदेश बनाने की दिशा एवं राज्य के बहुमुखी विकास के लिये ऊर्जा उत्पादन में लगातार वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु यूजेवीएन लिमिटेड अपनी रचनात्मक भूमिका निभाता आ रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2019-20 में दिसम्बर माह तक निगम ने उत्पादन लक्ष्य 4058 मिलियन यूनिट के सापेक्ष 4143 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन किया है, जिसमें तिलोथ विद्युत गृह ने अपने दिसम्बर तक के लक्ष्य 283 मिलियन यूनिट के सापेक्ष 305 मिलियन यूनिट, धरासू विद्युत गृह ने 1198 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के सापेक्ष 1217 मिलियन यूनिट, छिबरो विद्युत गृह ने 777 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 812 मिलियन यूनिट, खोदरी विद्युत गृह ने 352 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 358 मिलियन यूनिट, ढकरानी विद्युत गृह ने 134 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 140 मिलियन यूनिट, ढालीपुर विद्युत गृह ने 142 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 179 मिलियन यूनिट, कुल्हाल विद्युत गृह ने 114 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 122 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया है। गलोगी विद्युत गृह ने 4.5 मिलियन यूनिट लक्ष्य के सापेक्ष 5.8 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया है। अन्य विद्युत गृह भी अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के काफी करीब हैं, जिन्हें मशीनों की उपलब्धता एवं आपके अतिरिक्त प्रयासों से प्राप्त कर लिया जायेगा।

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि सचिव महोदया एवं प्रबन्ध निदेशक महोदय के कुशल मार्गदर्शन में इस वित्तीय वर्ष में अब तक रु. 503.87 करोड़ की बिजली का उत्पादन किया जा चुका है जो गत वर्ष रु. 414.38 करोड़ के सापेक्ष रु. 89.49 करोड़ अधिक है। यह सब आप सभी के संयुक्त कठिन परिश्रम एवं प्रयासों से सम्भव हुआ है।

वर्तमान में तिलोथ तथा ढालीपुर विद्युत गृहों के आर.एम.यू. का कार्य प्रगति पर चल रहा है। चीला विद्युत गृह के आर.एम.यू. का अनुबन्ध भी हस्ताक्षरित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त सभी विद्युत गृहों पर अनुरक्षण कार्य आरम्भ किये जा चुके हैं, जिनको लगातार अनुश्रवण कर समय से पूरा किये जाने का लक्ष्य है, जिससे मानसून में सभी मशीनें सुरक्षित रूप से उत्पादन हेतु उपलब्ध हो सकें तथा उपलब्ध पानी का पूर्ण उपयोग किया जा सके।

आशा करता हूँ कि भविष्य में भी निगम के सभी अधिकारी एवं कार्मिक कर्तव्यनिष्ठा एवं कठोर परिश्रम से निगम को नई ऊँचाईयों पर ले जाने में सफलता प्राप्त करेंगे।

(पुरुषोत्तम सिंह)
निदेशक (परिचालन)

सन्देश....

गणतंत्रत दिवस के राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मैं यूजेवीएन लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपनी अर्द्धवार्षिकी पत्रिका "जल निधि" का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विभागीय प्रगति, गतिविधियों, उपलब्धियों आदि को संकलित कर प्रकाशित किया जा रहा है। इसके लिये समस्त सम्पादक मंडल को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

यूजेवीएन लिमिटेड विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विद्युत मांग के सापेक्ष विद्युत उत्पादन को बढ़ाये जाने के लिए निगम सतत् प्रयासरत है जिसके क्रम में विभिन्न परियोजनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। निगम द्वारा 120 मेगावाट की व्यासी परियोजना से अगले वित्तीय वर्ष में उत्पादन प्रारम्भ करने हेतु सभी सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न लघु जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें से कालीगंगा–प्रथम लघु जल विद्युत परियोजना (क्षमता 4.50 मेगावाट) तथा सुरिनगाड लघु जल विद्युत परियोजना (क्षमता 5.00 मेगावाट) से इसी वर्ष विद्युत उत्पादन शुरू होने की सम्भावना है। विभिन्न नई जल विद्युत परियोजनाओं जिनमें सिरकारी भ्योल रूपसियाबगड़ जल विद्युत परियोजना (क्षमता 120 मेगावाट) तथा सेला उर्थिंग जल विद्युत परियोजना (क्षमता 230 मेगावाट) की डी.पी.आर. की स्वीकृति हेतु भी प्रयास किये जा रहे हैं।

मुझे आशा है कि निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी लगन एवं पूर्ण निष्ठा से विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करने हेतु अपनी सकारात्मक भागीदारी प्रदान करते रहेंगे।

जय हिन्द

(सुरेश चन्द्र बलूनी)
निदेशक (परियोजनाएं)

सन्देश....

स्वतन्त्र भारत के 71वें गणतन्त्र दिवस के आगमन पर मैं यूजेवीएन लिमिटेड के प्रत्येक सदस्य को अपनी शुभकामनाएं सम्प्रेषित करता हूँ तथा "जल निधि" के एक नये अंक के प्रकाशन पर "जलनिधि" की पूरी टीम को बधाई देता हूँ।

उत्तराखण्ड राज्य के विकास के तारतम्य में निगम भी नित्य नये आयामों को तय करते हुए एक परिपक्व अवस्था की ओर बढ़ रहा है। आर्थिक रूप से स्वावलम्बन और स्थायित्वता निगम को ऊर्जा के नये मानदण्ड स्थापित करने के लिये निरन्तर नई स्फूर्ति प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में निगम के सभी लेखा सम्बन्धी कार्यों एवं अभिलेखों को पूर्ण रूप से ERP से श्रृंखलित किया जा चुका है तथा वर्तमान में स्थिरिकरण (Stabilisation) की प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके लिये निगम के सभी कर्मचारी एवं अधिकारी बधाई के पात्र हैं।

एक बार पुनः गणतन्त्र दिवस के अवसर पर सभी कार्मिकों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए बहुमुखी लेखों एवं काव्यों से संकलित "जलनिधि" के प्रकाशन पर शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(सुधाकर बडोनी)
निदेशक (वित्त)

सन्देश....

यूजेवीएन लिमिटेड के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों को 71वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

निगम को नये आयामों की ओर ले जाने में योगदान के लिए विभिन्न स्कन्धों के समस्त कार्मिकों को बधाई।

निगम का मानव संसाधन स्कन्ध कार्मिकों की कैरियर ग्रोथ के लिए एवं प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी ज्ञानवृद्धि हेतु प्रयासरत है। गतिमान रोजगार वर्ष में नई भर्तियों हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रबन्धन द्वारा विभिन्न संगठनों/एसोसिएशनों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित कर कार्मिकों की समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

मैं जलनिधि के प्रकाशन पर बधाई देते हुए आशा करता हूँ पत्रिका में दी गई विभिन्न जानकारियों एवं रचनाओं से समस्त कार्मिक लाभान्वित होंगे। मैं सम्पादक मण्डल, रचनाकारों व सुधी पाठकों को भी बधाई देता हूँ।

(पंकज कुमार)
निदेशक (मा०सं०)

यूजेवीएन लिमिटेड की गतिविधियाँ

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को लाभांश चैक प्रदान करते निगम के अधिकारी

1. वर्तमान में यूजेवीएन लिमिटेड के अन्तर्गत 1292.1 मेगवाट की जल विद्युत परियोजनाएं परिचालन में हैं तथा 148.5 मेगावाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर निर्माण कार्य चल रहा है।
2. वित्तीय वर्ष 2019-20 में 31 दिसंबर 2019 तक निगम की परियोजनाओं द्वारा 4152.78 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया गया।
3. वित्तीय वर्ष 2019-20 में 31 दिसंबर 2019 तक छिबरो, खोदरी, ढ़करानी, ढालीपुर, कुल्हाल, तिलोथ, धरासू एवं गलोगी विद्युतगृहों द्वारा अपने लक्ष्यों से अधिक विद्युत का उत्पादन किया गया।
4. वित्तीय वर्ष 2018-19 में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा उत्तराखण्ड शासन को रुपए 10,02,03,262.00 (दस करोड़ दो लाख तीन हजार दो सौ बासठ रुपए) का लाभांश दिया गया।
5. यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा गुणवत्ता हेतु ISO-9001, पर्यावरण हेतु ISO-14001 प्राप्त कर लिया गया है। निगम में स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबन्धन हेतु ISO-45001 प्राप्त करने की प्रक्रिया गतिमान है।
6. नई परियोजनाओं के निर्माण की दिशा में 120 मेगावाट क्षमता की व्यासी जल विद्युत परियोजना, मध्यमहेश्वर (15 मेगावाट), कालीगंगा-प्रथम (4 मेगावाट) एवं कालीगंगा-द्वितीय (4.5 मेगावाट) एवं सुरिनगाड-द्वितीय (5 मेगावाट) लघु जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कार्य त्वरित गति से चल रहा है।
7. निगम की ऐसी परियोजनाएं जो कि अपनी आयु पूर्ण कर चुकी हैं, को नवजीवन प्रदान करने हेतु आर.एम.यू. के कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 51 मेगावाट के ढालीपुर तथा 90 मेगावाट के तिलोथ विद्युतगृहों के आर.एम.यू. के कार्य जारी हैं। साथ ही 144 मेगावाट के चीला के कार्य आवंटित कर दिए गए हैं तथा 33.75 मेगावाट के ढकरानी विद्युतगृह के आर.एम.यू. कार्यों हेतु प्रक्रिया गतिमान है।
8. लखवाड़ परियोजना के जल बंटवारे हेतु दिनांक 28.08.2018 को विभिन्न राज्यों के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। परियोजना की वित्तीय सहायता हेतु आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी, भारत सरकार से स्वीकृति अपेक्षित है।
9. किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना (660 मेगावाट) के निर्माण हेतु हिमाचल प्रदेश के साथ संयुक्त रूप से किशाऊ कार्पोरेशन का गठन किया गया था। केन्द्रीय जल आयोग द्वारा परियोजना की संशोधित लागत तथा जल घटक एवं विद्युत घटक का निर्धारण कर दिया गया है। निर्माण कार्य शीघ्र अपेक्षित है।
10. भारत सरकार एवं मा. न्यायालयों द्वारा लिये गये निर्णय के कारण राज्य में रुकी हुई परियोजनाओं के सन्दर्भ में राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार से निरन्तर समन्वय स्थापित कर पर्यावरणीय अनुकूल परियोजनाओं को पुनः प्रारम्भ किये जाने हेतु सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।
11. 16 मेगावाट की नादेही एवं 22 मेगावाट की बाजपुर बगास आधारित परियोजनाओं के कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।
12. विश्व बैंक सहायतित ड्रिप के अन्तर्गत विभिन्न बाँधों एवं बैराजों के मरम्मत एवं अनुरक्षण के कार्य गतिमान हैं।

अन्य गतिविधियाँ

स्वतंत्रता दिवस समारोह

यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय उज्ज्वल में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री एस.एन. वर्मा द्वारा उज्ज्वल परिसर में झंडारोहण किया गया। झंडारोहण के पश्चात् निगम के कार्मिको द्वारा विभिन्न राष्ट्रभक्तिपूर्ण गीतों एवं कविताओं का पाठ किया गया। साथ ही वक्ताओं ने आजादी के आंदोलन की विभिन्न घटनाओं एवं महापुरुषों का भी स्मरण किया। इस अवसर पर यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक श्री एस.एन. वर्मा द्वारा निगम की पत्रिका "जल निधि" का भी विमोचन किया गया जिसमें उत्पादन रिपोर्ट, निगम के विभिन्न क्रियाकलापों, लेखों एवं रचनाओं को संकलित किया गया है।

विश्वकर्मा जयंती

दिनांक 17/09/2019 को यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय उज्ज्वल में हर वर्ष की भांति देवताओं के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर परम्परानुसार भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया गया। साथ ही विभिन्न यंत्रों एवं औजारों को भी पूजा गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती

02 अक्टूबर, 2019 को यूजेवीएन लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने दोनों महापुरुषों के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला तथा उनके सिद्धान्तों का पालन करने व उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा ली।

यमुना कॉलोनी देहरादून में स्वच्छता अभियान

स्वच्छता आज हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुकी है। हमारे प्रधानमंत्री जी का उद्देश्य भी स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत द्वारा अपने भारत का नवनिर्माण एवं विकास करना है। इसी क्रम में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा दिनांक 04 अक्टूबर 2019 यमुना कॉलोनी देहरादून में निगम के प्रबन्ध निदेशक श्री एस.एन. वर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा यमुना कॉलोनी परिसर में स्वच्छता हेतु श्रमदान कर कालोनी में सफाई का कार्य किया गया। इस स्वच्छता अभियान में निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कॉलोनी के विभिन्न आवासीय परिसरों, मैदान, सड़कों एवं नाले आदि के आसपास फैली गंदगी एवं कूड़े को साफ कर कालोनी को स्वच्छ किया गया। उक्त स्वछता अभियान यूजेवीएन लेडीज क्लब वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से चलाया गया।

इस दौरान स्थानीय निवासियों से पॉलिथीन के प्रयोग को कम से कम करने एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग बिल्कुल भी नहीं करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर यमुना कॉलोनी के विभिन्न क्षेत्रों के लिए स्वच्छता मिशन से स्वैच्छिक रूप से जुड़ने वाले निगम के लोगों द्वारा कालोनी के विभिन्न क्षेत्रों की स्वच्छता एवं सफाई का ध्यान रखने का प्रण लिया गया। अभियान में शामिल वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहने से धीरे-धीरे कॉलोनीवासी जागरूक होकर स्वयं ही साफ सफाई एवं स्वच्छता को अपने जीवन में अपनाने लगेंगे। इस अवसर पर यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा कॉलोनी वासियों एवं अन्य लोगों को जूट एवं कपड़े से बने रोजमर्रा के काम आने वाले थैले भी बांटे गए जिससे कि लोग पर्यावरण के लिए हानिकारक

प्लास्टिक के थैलों के प्रयोग से दूर रहें। प्लास्टिक का थैला प्रदूषण के अलावा विभिन्न बीमारियों को भी जन्म देता है। पॉलीथिन की गंदगी से नालियां जगह-जगह चोक हो जाती हैं तथा वहां पर मक्खी मच्छर एवं अन्य कई प्रकार के कीड़े मकोड़े पैदा हो जाते हैं जो विभिन्न बीमारियों को फैलाने में अपना योगदान देते हैं।

ढकरानी में मनोरंजन सदन का उद्घाटन

दिनांक 24 अक्टूबर, 2019 को यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री एस.एन.वर्मा द्वारा निगम की ढकरानी जल विद्युत परियोजना परिसर में निर्मित निगम के मनोरंजन सदन का उद्घाटन किया गया। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है के सूत्र को ध्यान में रखते हुए निगम कर्मचारियों के स्वास्थ्य हेतु खेलकूद एवं अन्य विविध गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु इस मनोरंजन सदन की स्थापना की गई है। इससे पारस्परिक सहयोग की भावना और मजबूत होने के साथ ही कार्यस्थल पर कार्मिकों की कार्यकुशलता और क्षमता में भी वृद्धि होगी। यह मनोरंजन सदन निगमकर्मियों के पारिवारिक एवं सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों हेतु भी उपयोगी होगा।

उत्तराखण्ड राज्य एवं यूजेवीएन लिमिटेड के स्थापना दिवस कार्यक्रम

उत्तराखण्ड राज्य एवं यूजेवीएन लिमिटेड का स्थापना दिवस कार्यक्रम यूजेवीएन लिमिटेड के मुख्यालय "उज्ज्वल" में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री आवास में माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी को सरकार की अंश पूंजी पर लाभांश के रूप में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा रु. 10,02,03,262 (दस करोड़ दो लाख तीन हजार दो सौ बासठ रुपए) का चेक भी भेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि यूजेवीएन लिमिटेड राज्य का पहला सार्वजनिक उपक्रम है जिसने राज्य को लाभांश देने की शुरुआत की तथा इस वर्ष लगातार चौथी बार राज्य को लाभांश दिया है।

दोपहर में उज्ज्वल प्रांगण में एक मेले का आयोजन भी किया गया जिसमें खेलकूद, खान पान एवं विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के स्टाल भी लगाए गए। सचिव ऊर्जा एवं यूजेवीएन लिमिटेड अध्यक्ष श्रीमती राधिका झा ने निगम कार्मिकों को निगम के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए निगम को देश के सर्वोत्तम जल विद्युत निगमों में से एक बताते हुए यूजेवीएनएल की कार्य संस्कृति की प्रशंसा की। उन्होने यूजेवीएन लिमिटेड के कार्यों में और भी अधिक रचनात्मकता एवं भविष्य की आवश्यकता के अनुसार योजना बनाने का सुझाव दिया। श्रीमती राधिका झा ने कहा कि हमें आगे के 20 वर्षों को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यों और व्यवसाय को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करना होगा। इस हेतु उन्होंने निगम के युवा अधिकारियों की एक टीम बनाकर इस विषय पर कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। श्रीमती राधिका झा ने निगम के उत्पादन लक्ष्य पूरा करने एवं मशीनों की उपलब्धता योजनानुसार सुनिश्चित रखने पर भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रत्येक कार्मिक को इसका श्रेय दिया।

इस अवसर पर सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा निगम के कार्मिकों का मनोबल बढ़ाने एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में सराहनीय प्रदर्शन पर विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ कार्य हेतु विद्युत गृहों एवं कार्मिकों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। इन पुरस्कारों हेतु कार्मिकों का चयन निगम के उच्चाधिकारियों की समिति द्वारा सम्यक विचार विमर्श एवं प्राप्त आख्या के आधार पर किया गया। पुरस्कार निम्नानुसार दिए गए-

क्र. सं.	पुरस्कार की श्रेणी	परियोजना/कार्मिक का नाम
1.	सर्वश्रेष्ठ परियोजना	तिलोथ विद्युत गृह, मनेरी भाली-प्रथम, उत्तरकाशी
2.	सर्वश्रेष्ठ परियोजना (रनर-अप)	शारदा विद्युत गृह, लोहियाहेड, खटीमा
3.	सर्वश्रेष्ठ अभियंता (महिला)	श्रीमती प्राची मित्तल, अवर अभियन्ता (वि0/यां0), देहरादून
4	सर्वश्रेष्ठ अभियंता (पुरुष)	श्री नवल जोशी, अवर अभियन्ता (वि0/यां), लोहियाहेड, खटीमा
5.	सर्वश्रेष्ठ कार्मिक अधिकारी (पुरुष)	श्री आर.सी. मैखूरी, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, देहरादून
6	सर्वश्रेष्ठ मिनिस्ट्रीयल कार्मिक (महिला)	श्रीमती रेनू, वैयक्तिक सहायक-द्वितीय, देहरादून
7	सर्वश्रेष्ठ मिनिस्ट्रीयल कार्मिक (पुरुष)	श्री मुकुल द्विवेदी, कार्यालय सहायक -द्वितीय, यमुना वैली, डाकपत्थर
8	सर्वश्रेष्ठ कार्मिक चालक/तकनीकी स्टाफ (पुरुष)	श्री विजय सिंह पंवार, टी.जी-।।, मनेरी भाली-प्रथम, उत्तरकाशी
9	सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी कार्मिक (महिला)	श्रीमती हेमा देवी, चपरासी, मनेरी भाली-प्रथम, उत्तरकाशी
10	सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी कार्मिक (पुरुष)	श्री नारदमणी, चपरासी, देहरादून
11	सर्वश्रेष्ठ उपनल कार्मिक (पुरुष)	श्री सुरेन्द्र कुमार, इलैक्ट्रीशियन, देहरादून

इस अवसर पर श्रीमती राधिका झा द्वारा निगम के सेवानिवृत कार्मिकों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में श्री आर.पी.थपलियाल, डा. अविनाश चन्द्र जोशी, श्री एल.एम.वर्मा, श्री मेग बहादुर थापा, श्रीमती शैल जायसवाल, श्री आर.बी.त्रिपाठी, श्री अरुण सब्बरवाल आदि शामिल थे। साथ ही श्रीमती राधिका झा द्वारा यूजेवीएन लेडीज वेलफयर क्लब के सामाजिक सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय बालिका इण्टर कालेज, ब्रहमपुरी की मेधावी एवं निर्धन छात्राओं को साईकिलें वितरित की गई। इसके अंतर्गत कक्षा नौ की मीरा कुमार, शहनूर, साक्षी व सिमरन, कक्षा दस की श्वेता, सबा व सुहेरा तथा कक्षा ग्यारह की मदीहा, अंकिता व राधिका जोशी को साइकिल प्रदान की गई। इसी क्रम में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया। पुरस्कृत होने वाले खिलाड़ियों में गोपाल सिंह, ललित टम्टा, मोहम्मद रियाज, भानू जोशी, कमला राणा, मोना उप्रेती के साथ ही देहरादून मुख्यालय एवं गंगा वैली की टीमें शामिल रहीं। कार्यक्रम में कार्मिकों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। सांयकाल में उज्ज्वल परिसर में हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इसमें देश के जाने माने कवि श्री सुरेन्द्र शर्मा पद्मश्री, श्री चिराग जैन, श्री प्रताप फौजदार, श्री शंभू शिखर एवं श्रीमती ऋतु गोयल ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मनोरंजन किया।

लेडीज

यूजवीएन लिमिटेड

यूजवीएन लिमिटेड
स्थापना दिवस के अवसर
पर
हास्य कवि सम्मेलन
आमंत्रित कविगण:
11 नवम्बर 2019

यूजवीएन लिमिटेड
स्थापना दिवस के अवसर

स्थापना

स्थापना दिवस के
पर

UJVN LTD

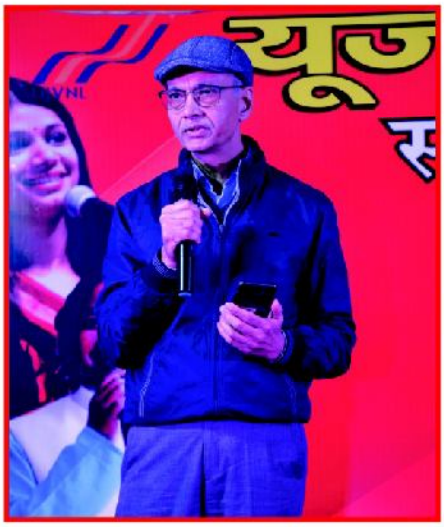

लिमिटेड

VYASI HEP (120 MW)

Status of Vyasi HEP:

Vyasi HE Project (120 MW) is being developed as Run-of River on River Yamuna in Dehradun district of Uttarakhand. The construction activities on this project are in its advance stage. In its 95th meeting Board of Directors accorded its consent for revised cost of Vyasi HEP amounting to Rs. 1581.01 Crs with IDC up to Dec 2019. According to revised cost of Vyasi HEP, the physical progress achieved till date is 77.5%.The project progress is being thoroughly monitored by team of Independent Directors of UJVNL (Project Implementation Steering Committee) under the Chairmanship of Shri Indu Kumar Pande Ex. Chief Secretary, GoU.

Dam Overflow Blocks

Progress of Vyasi HEP:

Out of total 3.87 lacs cum. concreting 3.48 lacs cum. (89.92%) concrete has been laid at the dam site. Civil works of Intake structure has been completed. At present, concreting work is going on at block nos. 5, 6, 7, 8 and 9. Curtain drilling grouting work of Dam is in progress. Total 99.00 % lining work in HRT has been completed. Excavation work in Surge Shaft has been completed. Concreting in Orifice slab has been completed and slip form gantry has been reached at site. Erection of penstock liner in PS-1 and PS-2 is in progress. Approximately 63 % civil works of Power House structure has been completed. At present, Concrete work in EOT columns of Unit-I, Unit-II and control Block is in progress. TRC protection wall work has been completed.

Unit 2 power house shuttering and reinforcement in progress

Approximately 45% of Electrical and Mechanical equipments have been supplied by BHEL. Erection of spiral casing of unit 1 & unit II has been completed. Erection of upper pit liner is in progress. 100% of Hydro Mechanical equipments have been supplied and at present, erection of intake gate has been completed and erection of radial gate over spillway blocks is in progress. The construction of the project was commenced in year 2014 and anticipated completion of project is December 2020.

Inspection of dam site by Project implementation steering committee

Hydro-Mechanical Works at a glance

- All supplies have been received
- Trash Rack Panels, Intake Service Gate & Intake Bulkhead gates along with hoist have been erected
- Trunnion Anchor Plates at all 5 gates have been erected
- Trunnion & Cardenic have been erected and aligned at Gate # 5, 4 & 1
- Sill Beam at Gate # 4 & 5 have been erected and aligned
- All arms, horizontal girders at Gate # 5 has been erected
- Skin plates along with wall plates of Gate # 5 have been placed;
- Final welding at Gate # 5 started
- Erection of Arms and Horizontal Girder at Gate # 4 is under progress.

Unit # 1

- Foundation works for Bottom Bracket Sole Plate of Generator Barrel of Unit # 2 is completed
- Foundation works for Stator sole plate of Generator barrel of Unit # 2 is under progress
- 100 T EOT Crane erection has been completed
- Electrical wiring works, DSL works of 100/25 T EOT is under progress
- Testing of 100 T EOT Crane shall be carried out soon
- Second stage concreting of rails of 225T/35T EOT Crane is completed.

Intake Gate, Trash Rack Panel, Hoist Arrangement

Electro-Mechanical Works at a glance

- Erection of draft tube, spiral casing, stay ring, upper and lower pit liners have been completed in both the units
- All embedment work of Generator barrel of Unit # 1 is Completed
- Chipping, epoxy, finishing at Unit # 1 works for installation of Bottom Bracket Sole Plate and Stator Sole Plate is under progress.

Orifice Radial Gate # 2

ढकरानी प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा 01.04.2019 से 31.12.2019 तक कराये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. अप्रैल, 2019 का प्रारम्भ **"अंतर्यात्रा"** विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम से हुआ जिसमें सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं कार्यालय सहायकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

2. मई, 2019 में तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों को विद्युत गृहों के सम्बन्ध में तकनीकी प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3. 12 जून, 2019 को नवनिर्मित प्रशिक्षण केन्द्र का विधिवत् उद्घाटन प्रबन्ध निदेशक श्री एस. एन. वर्मा द्वारा किया गया।

4. 9 अगस्त, 2019 को सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्षा यूजेवीएन लिमिटेड श्रीमती राधिका झा द्वारा नवनिर्मित प्रशिक्षण भवन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान श्रीमती राधिका झा द्वारा प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री एस. एन. वर्मा द्वारा निगम के कार्यकलापों के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिया गया।

5. सितम्बर माह में विद्युत गृहों के सम्बन्ध में तकनीकी ज्ञान संबन्धित कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अवर अभियन्ता एवं तकनीकी श्रेणी कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

6. सितम्बर माह में ही विद्युत टैरिफ सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अधिकारियों एवं अभियन्ताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

7. 24 सितम्बर, 2019 को ERP के सम्बन्ध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें अधिकारी, अभियन्ता एवं लिपिकीय कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

8. 25 सितम्बर, 2019 को सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ताओं के लिए परिचालन सम्बन्धी तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

9. 27 एवं 28 सितम्बर, 2019 को परिचालकीय संवर्ग के कर्मचारियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

10. 26 से 28 सितम्बर, 2019 तक 3 दिवसीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अवर अभियन्ता, टी.जी.-2 एवं लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

11. 21 से 23 अक्टूबर, 2019 तक विद्युत गृहों के सम्बन्ध में 3 दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भागीरथी वैली, गंगा वैली एवं लघु जल विद्युत परियोजनाओं में कार्यरत अवर अभियन्ताओं ने प्रतिभाग किया।

12. 24 अक्टूबर, 2019 को ERP के सम्बन्ध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें भागीरथी वैली, गंगा वैली एवं लघु जल विद्युत परियोजनाओं के अधिशासी अभियन्ताओं, सहायक अभियन्ताओं एवं अवर अभियन्ताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी दिन प्रबन्ध निदेशक श्री एस. एन. वर्मा द्वारा ढकरानी कालोनी में निर्मित मनोरंजन सदन का उद्घाटन भी किया गया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्मिकों से Feedback लिया गया।

13. नवम्बर माह में परिचालकीय संवर्ग के कार्मिकों हेतु लोहियाहेड, हरिद्वार एवं उत्तरकाशी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराए गये।

14. नवम्बर माह में 6 एवं 7 तथा 26 से 28 नवम्बर, 2019 तक कम्प्यूटर परिचालन से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया।

15. 14 नवम्बर, 2019 को Disaster Management and Evacuation Drills Safety पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

16. 27 से 28 नवम्बर, 2019 को विद्युत गृहों के Protection System पर कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें भागीरथी वैली, गंगा वैली एवं यमुना वैली से अधिशासी अभियन्ताओं, सहायक अभियन्ताओं एवं अवर अभियन्ताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

17. दिसम्बर माह में Morality and Rights of Persons with Disability Act-2016 पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

18. 21 से 24 जनवरी, 2020 तक अवर अभियन्ताओं को विद्युत गृह परिचालन एवं अनुरक्षण से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया।

(जगदीश चन्द्र पन्त)

अधिशासी अभियन्ता (प्रशिक्षण) ढकरानी

24 अक्टूबर 2019 को ढकरानी मनोरंजन सदन का प्रबन्ध निदेशक श्री एस. एन. वर्मा द्वारा उद्घाटन

24 सितम्बर 2019 को ई.आर.पी. पर अभियन्ताओं लेखा एवं अधिष्ठान कार्मिकों का प्रशिक्षण

9 नवम्बर 2019 को यूजेवीएन लिमिटेड के स्थापना दिवस के अवसर पर ढकरानी मनोरंजन सदन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पुरस्कार वितरण

14 नवम्बर 2019 को आपदा प्रबन्धन पर कार्यशाला

7 दिसम्बर 2019 को नैतिकता एवं विकलांगता अधिनियम 2016 पर कार्यशाला का समापन

UJVNL Training Center, Dhakrani. Training Record from 1.04.2019 to 31.12.2019

Sl. No.	Name of Training	Date	Cadre	Total No. of Participants
1.	Antaryatra	29th April, 2019	AE, JE & OA Level	26
		30th April, 2019	AE, JE & OA Level	25
2.	Power House Operation, Switchyard	16th May, 2019	TG-II	25
	Equipment, Electrical Maintenance,	17th May, 2019	TG-II	24
3.	Electrical Equipment Maintenance, Switchyard & DG Set, Shift Operation & Mechanical Equipment Maintenance	3rd Sept., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Oiler, Helper	20
4.	Mechanical Maintenance, Electrical Maintenance	11th Sept., 2019	JE & TG-II	27
	& Operation Duty	12th Sept., 2019	JE & TG-II	26
		13th Sept., 2019	JE & TG-II	29
5.	Training on Tariff	20th Sept., 2019	Officers & JE	41
6.	Solution of general problems related to SAP DMS, ESS regarding Accounting & Establishment	24th Sept., 2019	Officers, JE & Ministerial Staff	60
7.	Shift Operation, Power House Safety	25th Sept., 2019	AE & JE	27
8.	Mechanical Maintenance Electrical Maintenance & Operation Duty	27th Sept., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Oiler, Helper	25
		28th Sept., 2019	-do-	29
9.	Training on Basic Computer -Word, Excel,	26th Sept., 2019	JE, TG-II & Ministerial Staff	13
	Power Point	27th Sept., 2019	JE, TG-II & Ministerial Staff	13
		28th Sept., 2019	JE, TG-II & Ministerial Staff	16
10.	Shift Operation, Switchyard Operation & DG Set	21st Oct., 2019	JE	15
	Operation, Electrical Equipment Maintenance,	22nd Oct., 2019	JE	15
	Mechanical Equipment Maintenance and Protection System.	23rd Oct., 2019	JE	15

Sl. No.	Name of Training	Date	Cadre	Total No. of Participants
11.	Solution of general problems related to SAP, DMS, ESS regarding Accounting & Establishment.	24th Oct., 2019	EE, AE, JE & OA	30
12.	Electrical Maintenance, Mechanical Maintenance, Shift Operation, Electricity Tariff	4th Nov., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Pump Operator, TG-II & TG-I	35
		5th Nov., 2019	-do-	25
13.	Training on Basic Computer -Word, Excel, Power Point, DMS, ESS	6th Nov., 2019	JE , TG-II & Ministerial Staff	13
		7th Nov., 2019	JE , TG-II & Ministerial Staff	10
14.	Disaster Management and Evacuation Drills Safety	14th Nov., 2019	JE, TG-II, OA and ASK	41
15.	Electrical Maintenance, Mechanical Maintenance, Shift Operation	15th Nov., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Pump Operator, TG-II & TG-I	30
		16th Nov., 2019	-do-	30
16.	Tariff	16th Nov., 2019	EE, AE & JE	16
17.	Silent Feature of Hydro Power Station, Electrical & Mechanical Maintenance, Shift Operation, Protection System and Safety at work place.	20th Nov., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Pump Operator, TG-II & TG-I	37
		21st Nov., 2020	-do-	37
18.	Training on Basic Computer -Word, Excel, Power Point	26th Nov., 2019 27th Nov., 2019 28th Nov., 2019	Shramik, Kushal Shramik, Pump Operator, TG-II & TG-I	12 12 12
19.	Protection system of Hydro Electric Projects.	27th Nov., 2019	EE, AE & JE	22
		28th Nov., 2019	EE, AE & JE	24
20.	Workshop on Morality nd Rights of Persons with disability a Act-2016	7th Dec., 2019	EE, AE & JE	33
21.	Training on O & M of Power Houses	21st Jan. to 24th Jan. 2020	JE	26

List of Employees Retired from August-2018 to July-2019

S N.	Name of Employee	Designation	Retired on	Office/Unit Name
1	Smt Niranjana Verma	Assistant Accountant	31-Aug-19	DGM (Central Accounts Office), Dehradun
2	Madan Singh Rana	Assistant Engineer (E&M)	31-Aug-19	EE (Generation), Chibro
3	Ram Prakash	Assistant Engineer (E&M)	30-Sep-19	EE (M & G), Lohiahead
4	Ramesh Chandra	Chowkidar	31-Dec-19	EE (PDD), Dakpathar
5	Gokul Singh	Compressor Operator	31-Dec-19	EE (Generation), MB-I, Tiloth
6	Satish Chandra	Crane Operator	30-Nov-19	EE (M & G), Dhakrani
7	Vikram	TG-II (M) Pump Attendent	31-Aug-19	EE (Maintenance), Chilla
8	Yad Ram	Dafadar	31-Oct-19	GM (Ganga Valley), Hardwar
9	D.N. Pant	DGM (E&M)	30-Sep-19	DGM (E&M), Dehradun
10	R B Tripathi	DGM (E&M)	31-Aug-19	DGM (IT), Dehradun
11	Israil Ali	Driver	30-Sep-19	EE (Generation), Chibro
12	Attar Singh	Junior Engineer (E&M)	31-Dec-19	EE (Generation), Khodri
13	Pratap	Kushal Shramik	31-Dec-19	EE (Galogi) (SHP), Dehradun
14	Raghunandan	Kushal Shramik	31-Aug-19	EE (M & G), Lohiahead
15	Ramashish	Kushal Shramik	31-Dec-19	EE (Generation), MB-I, Tiloth
16	Ram Chandra Panwar	Kushal Shramik	30-Sep-19	EE (Generation), MB-I, Tiloth
17	Ramesh Chand	Kushal Shramik	31-Oct-19	Manager (A & S), Dehradun
18	Sati Nand	Kushal Shramik	31-Dec-19	EE (Galogi), Yamuna Colony, Dehradun
19	Dr. Arun Kumar Kanojia	Medical Officer	31-Dec-19	GM (Yamuna Valley), Dakpathar
20	G.B. Thapa	Office Assistant-I	31-Dec-19	DGM (E&M), Chilla
21	Nabil Ahmed	Office Assistant-I	31-Dec-19	GM (Bhagirathi Valley), Chinyalisaur
22	Rakesh Sharma	Office Superintendent (SG)	30-Sep-19	DGM (E&M), Dakpathar
23	S.S. Kirthwal	Personal Assistant-I	31-Dec-19	MD Office, Ujjwal, Dehradun
24	Basant Ballabh Upadhaya	Technical Assistant	31-Dec-19	DGM (E&M), SHP, Pithoragarh
25	Poshkant Sharma	Technical Grade-I (E)	30-Sep-19	EE (Generation), Khodri
26	Luxmi Chand	Technical Grade-II (E)	31-Aug-19	EE (M & G), Dhakrani
27	Suresh Chandra	Technical Grade-II (E)	30-Sep-19	EE (Generation), Kalagarh
28	Dasharath Prasad	Technical Grade-II (M)	30-Nov-19	EE (Generation), Chilla
29	Girish Chand	Technical Grade-II (M)	31-Oct-19	EE (Maintenance), Chibro

S N.	Name of Employee	Designation	Retired on	Office/Unit Name
30	Madan Prasad	Technical Grade-II (M)	31-Aug-19	EE (Generation), Chilla
31	Mubarak Ali	Technical Grade-II (M)	31-Oct-19	EE (Generation), Chilla
32	Pooran Singh	Technical Grade-II (M)	31-Oct-19	EE (Generation), MB-II, Chinyalisaur
33	Pratap Singh	Technical Grade-II (M)	30-Sep-19	EE (Generation), MB-I, Tiloth
34	Rakesh	Technical Grade-II (M)	30-Nov-19	EE (Maintenance), Kalagarh
35	Ram Singh	Technical Grade-II (M)	30-Sep-19	EE (M & G), Dhalipur
36	Solomen Peter	Technical Grade-II (M)	31-Dec-19	EE (Generation), Chibro
37	Swaroop Singh	Technical Grade-II (M)	31-Oct-19	EE (Generation), MB-I, Tiloth
38	Sabir Ali	TG-II (M) Pump Attendent	31-Dec-19	EE (M & G), Dhakrani

PROMOTIONS FROM AUGUST, 2019 TO DECEMBER, 2019

DGM (E&M)	GM (Comm.)	Shri D.K. Garg	26.08.2019
DGM (Civil)	GM (Civil)	Shri Sanjeev Lohani	26.08.2019
DGM (Civil)	GM (Civil)	Shri O.P. Singh	26.08.2019
DGM (Accounts)	GM (Accounts)	Shri C.P. Dinkar	26.08.2019
Dy. CAO	DGM (Accounst)	Shri N.K. Arya	26.08.2019
SAO	Dy. CAO	Shri Kanti Kumar	06.09.2019
EE (E&M)	DGM (E&M)	Smt. Shuchi Rai	26.08.2019
AE (E&M)	EE (E&M)	Shri Umakant Pandey	26.08.2019
JE (E&M)	AE (E&M)	Shri Sushil Kumar	26.08.2019
JE (E&M)	AE (E&M)	Shri Naresh Pal	26.08.2019

यूजेवीएन लि0 में कार्यशील कर्मचारी संगठनों/एसोसिएशनों के साथ दिनांक 01-08-2018 से 31-12-2019 तक आयोजित वार्ताओं का विवरण।

क्र.सं.	संगठन/एसोसिएशन का नाम	वार्ता की तिथि
1.	विद्युत ऊर्जा आरक्षित वर्ग एसोसिएशन	28-08-2019
2.	विद्युत डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन	20-09-2019
3.	उत्तराखण्ड ऊर्जा कामगार संगठन	03-10-2019
4.	ऊर्जा ऑफीसर्स, सुपरवाइजर एण्ड स्टाफ एसोसिएशन	15-10-2019
5.	संयुक्त प्रबन्धन समिति	07-11-2019
6.	हाइड्रो इलैक्ट्रिक इम्पलाईज यूनियन	11-12-2019

सम्मान समारोह

यूजेवीएन लि० द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों/संस्थानों की सूची
(दिनांक 31.12.2019 की स्थिति)

क्र.	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं0
		से	तक	
1	उत्तराखंड के भौगोलिक क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त सरकारी अस्पताल	स्थाई रूप से		
2	क्रिश्चियन हास्पिटल, हरबर्टपुर, डाकपत्थर (देहरादून)	स्थाई रूप से		
3	राम कृष्ण मिशन हास्पिटल, हरिद्वार	स्थाई रूप से		
4	भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि. सैन्ट्रल हास्पिटल, रानीपुर, हरिद्वार	स्थाई रूप से		
5	हिमालयन इन्स्टीट्यूट हास्पिटल ट्रस्ट, जौलीग्रान्ट, देहरादून	स्थाई रूप से		0135-2412081, 82, 83, 84, 85, 86
6	श्रीमती सुशीला तिवारी स्मृति वन चिकित्सालय, हल्द्वानी (अब राजकीय चिकित्सालय)	स्थाई रूप से		
7	सीतापुर नेत्र चिकित्सालय - शाखा-अल्मोड़ा, रानीखेत, नैनीताल, काशीपुर, हल्द्वानी, पिथौरागढ़, गोपेश्वर (चमोली), श्रीनगर, कोटद्वार, पौड़ी **(एकल विशिष्टता)**	स्थाई रूप से		
8	श्री महन्त इन्द्रेश अस्पताल, पटेल नगर, देहरादून	स्थाई रूप से		0135-2522100, 0135-2522200 0135-6672400, 562, 609
9	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश	स्थाई रूप से		
10	निर्मल आश्रम अस्पताल, मायाकुण्ड, ऋषिकेश	01.07.2017 से स्थाई रुप से		0135-2430942, 2439551, 52, 53, 54
11	डा० आहुजा पैथोलोजी एण्ड इमेजिंग सैन्टर, 7-बी, एस्ले हॉल, देहरादून (समस्त उपलब्ध परीक्षणों हेतु)	अग्रिम आदेशों तक		0135-2659700, 2657900
12	वैश्य नर्सिंग होम, 42-सेवक आश्रम रोड, देहरादून (#)	01.09.2018	31.08.2019	0135-2749267, 2747083
13	अर्चना हास्पिटल, 123-ए, महेन्द्र विहार, सुरभि होटल के पीछे, देहरादून	01.04.2019	31.03.2020	0135-2622713, 2622775
14	कम्बाइन्ड मेडिकल इन्स्टीटयूट (सी.एम.आई.), 54- हरिद्वार रोड, देहरादून	01.04.2019	31.03.2021	0135-2720238, 2720411
15	नीलकंठ नेत्रालय, 259-विवेक विहार, आवास विकास, रानीपुर मोड़, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)**	01.07.2019	30.06.2020	9411373131, 9412379292

क्र.	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं0
		से	तक	
16	पाटिल डेन्टल क्लीनिक एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, 206-बल्लुपुर रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.10.2018	30.09.2020	0135-2755796
17	वैलमेड हॉस्पीटल (भारत हार्ट एवं सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल की इकाई) टर्नर रोड, नियर पी.एन.बी. क्लेमेंट टाउन, देहरादून	01.08.2019	31.07.2021	0135-2650580, 2104444
18	धनवन्तरी अस्पताल, डाकपत्थर रोड, विकासनगर, देहरादून	01.07.2019	30.06.2020	01360-251625
19	दृष्टि आई सैन्टर, 9-बी, एस्ले हाल, देहरादून **(एकल विशिष्ठता)**	01.08.2019	31.07.2021	0135-2717500, 2655354, 2656364
20	ऑर्थोकेयर डेन्टल स्पेशियलिटी सैन्टर, शिवकृपा काम्प्लैक्स, एम.डी.डी.ए. कालोनी के सामने, जी.एम.एस. रोड, देहरादून	01.08.2019	31.07.2021	0135-2620438
21	मैट्रो हास्पिटल एण्ड हार्ट इन्स्टीट्यूट, प्लॉट नं. एफ-1, सैक्टर-6 ए, सिडकुल, हरिद्वार	01.10.2018	31.03.2020	01334-239040, 42, 43
22	अमृतसर आई क्लीनिक, 122/1, ई.सी. रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2018	31.12.2019	0135-2650585, 2652585, 2651585
23	चामुण्डा सर्जिकल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सैन्टर, काशीपुर, उधम सिंह नगर	01.01.2020	31.12.2021	05947-272255, 261111, 261122
24	सिटी अस्पताल, सुपर काम्प्लैक्स, रानीपुर मोड़, हरिद्वार	01.01.2020	31.12.2021	01334-220012, 220023
25	आस्था अस्पताल (अग्रवाल क्लीनिक), 2/1- बल्लुपुर चौक, देहरादून	01.01.2018	31.12.2019	0135-2764413, 2761023
26	डा० मुकेश ढाण्डा, दन्त चिकित्सक, 16-ए, न्यू रोड, निकट उत्तरांचल ग्रामीण बैंक मुख्यालय, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2018	31.12.2019	0135-2624448, 2710446
27	कनिष्क सर्जिकल एण्ड सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, रिस्पना पुल एवं रेलवे क्रासिंग के मध्य, मुख्य हरिद्वार बाई पास रोड, देहरादून	01.01.2018	31.12.2019	0135-2670040
28	शर्मा डेन्टल केयर, ऑर्थो एण्ड ट्रामा सैन्टर, 105/65 ई.सी. रोड, निकट पुलिस चौकी आराघर, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2019	31.12.2020	0135-2714652
29	संजीवनी डेन्टल क्लीनिक एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, प्रेम प्लाजा, स्टेट बैंक आफ इंडिया के सामने, मेन रोड, विकासनगर, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.04.2018	31.03.2020	9536005002

क्र.	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं०
		से	तक	
30	कालिन्दी हास्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, जीवन गढ़ लाईन, चकराता रोड, विकासनगर, देहरादून	01.04.2019	31.03.2020	01360–222941, 42, 43
31	ब्रजलाल हास्पिटल एण्ड रिसर्च सैन्टर प्रा.लि., आनन्दी टावर, नैनीताल रोड, हलद्वानी	01.04.2018	31.03.2020	05946–284816
32	स्वास्तिक अस्पताल, लोहियाहैड रोड, खटीमा, उधमसिंह नगर	01.04.2018	31.03.2020	05943–253000
33	गर्ग डेन्टल क्लीनिक, अम्बा काम्प्लैक्स, 112–सैयद मोहल्ला, चकराता रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.05.2018	30.04.2020	0135–2531188
34	फोर्टिस एस्कोर्ट हास्पिटल, द्वितीय तल, कॉरोनेशन हास्पिटल, देहरादून **(एकल विशिष्ठता)**	01.05.2018	30.04.2020	0135–3980201
35	मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, मालसी, मसूरी डायवर्जन रोड, देहरादून	01.05.2018	30.07.2020	0135–6673000
36	सिनर्जी इन्स्टीटयूट आफ मेडिकल साईंसेज, कैनाल रोड, बल्लुपुर देहरादून **यूजेवीएन लि. के आदेश सं0 3347 दिनांक 27.05.2017 के द्वारा चिकित्सालय को कैश लैस (क्रेडिट सुविधा) हेतु (चिकित्सालय की मान्यता अवधि हेतु) भी केवल चिकित्सालय में भर्ती हो कर कराये गये उन रोगों, जिनका उल्लेख सम्बन्धित आयकर अधिकारी द्वारा चिकित्सालय को निर्गत किये गये आयकर विमुक्तिकरण प्रमाण पत्र में हैं, के उपचार हेतु ही मान्यता प्रदान कर दी गई है।**	01.05.2018	30.04.2020	0135–2226000, 2226100
37	बंसल डेन्टल एण्ड ऑर्थोडोन्टिक केयर, 375–विवेक विहार कालोनी, निकट चंद्राचार्य चौक, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)**	01.06.2019	31.05.2020	9219408267
38	दक्ष बालाजी ऑर्थो हास्पिटल, गुरूबक्श विहार, लक्सर रोड, कनखल, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)**	01.07.2016	30.06.2018	01334–212038
39	थापर स्पेशियलिटी डेन्टल केयर, (निकट आई.एम.ए. ब्लड बैंक), 41/1, बल्लूपुर रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2019	31.08.2021	0135–2755358

क्र.	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं०
		से	तक	
40	सांई हॉस्पिटल, मुखानी चौराहा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी, नैनीताल	01.09.2018	31.08.2020	
41	कृष्णा सर्जिकल सैन्टर, सैयद रोड, विकासनगर, देहरादून	01.11.2018	31.10.2019	01360–250049
42	डॉ. रोहिला स्पेशियलिटी डेन्टल एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, बी–3, ओजस्वी काम्प्लैक्स, जी.एम.एस. रोड, बल्लुपुर चौक, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.11.2019	31.10.2021	0135–6540942
43	बियोन्ड स्माईल डेन्टल केयर एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, डी–34, रेसकोर्स, पुलिस लाईन के सामने, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.11.2018	31.10.2019	0135–2721537
44	भण्डारी हास्पिटल, कैनाल रोड, गुरुद्वारा वाली गली के सामने, विकासनगर, देहरादून (#)	01.11.2016	31.10.2018	01360–250077, 250177
45	डॉ. चौहान हास्पिटल, मेन रोड, विकासनगर, देहरादून	01.11.2018	31.10.2020	01360–251781
46	डॉ. अश्विन गर्ग, गर्ग ई.एन.टी. एण्ड डेन्टल क्लीनिक, किशन नगर चौक, चकराता रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.03.2019	28.02.2021	0135–2531188
47	डॉ. डी.एम. काला, काला ई.एन.टी. सैन्टर, 5–न्यू रोड, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.03.2019	28.02.2021	0135–2654350, 2657227
48	डा0 अश्विन डोभाल, दंत चिकित्सक **(एकल विशिष्टता)** 41–टैगोर विला, मेन चकराता रोड़, देहरादून, 5–लिटन/सुभाष रोड, उत्तराखंड सचिवालय के सामने, देहरादून	01.06.2019	31.05.2021	0135–2715343, 0135–2713363
49	मेदान्ता – दी मेडिसिटी, सैक्टर–38, गुड़गांव (हरियाणा) **यूजेवीएन लि. के आदेश सं0 3346 दिनांक 27.05.2017 के द्वारा चिकित्सालय को सामान्य रूप से कराये जाने वाले उपचारों के साथ साथ कैश लैस (क्रेडिट सुविधा) हेतु भी केवल चिकित्सालय में भर्ती हो कर कराये गये उन रोगों, जिनका उल्लेख सम्बन्धित आयकर अधिकारी द्वारा चिकित्सालय को निर्गत किये गये आयकर विमुक्तिकरण प्रमाण पत्र में हैं, के उपचार हेतु ही मान्यता प्रदान कर दी गई है।**	01.06.2017	31.05.2019	0124–4141414

क्र.	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं॰
		से	तक	
50	एम.एम. नैथानी आई सैन्टर, 67/4-प्रीतम रोड, दून इन्टरनेशनल स्कूल के सामने, डालनवाला, देहरादून।	19.12.2017	18.12.2019	0135-2718433, 8171125871
51	दी आई क्लीनिक, 3-ए, चकराता रोड, निकट दून पैरामैडिकल कालेज, देहरादून।	20.02.2018	31.03.2020	0135-2723069, 9412053069
52	कैलाश हास्पिटल, हरिद्वार रोड, निकट जोगीवाला चौक, देहरादून कैश लैस (क्रेडिट सुविधा)	28.05.2018	31.05.2020	0135-2662233, 9999998808
53	सरगंगा राम हास्पिटल, दिल्ली। कैश लैस (क्रेडिट सुविधा)	28.05.2018	31.05.2021	011-25750000, 42254000, 9810124662
54	कृष्णा हास्पिटल एण्ड रिसर्च सैन्टर, 3-136, गुरूनानक पुरा, हल्द्वानी, नैनीताल	01.07.2019	30.06.2020	05946-222426, 9927066341
55	सैन्ट्रल हास्पिटल, गैस गोदाम तिराहा, कुसुमखेड़ा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी, नैनीताल।	01.07.2019	30.06.2020	05946-260287, 260288, 7500445111
56	डंगवाल डेन्टल, कैनाल रोड, निकट बल्लुपुर चौक, शिव मन्दिर के सामने, देहरादून	01.01.2019	31.12.2020	
57	देव ई.एन.टी. एण्ड मैटरनिटी सेन्टर, 115-फेस-1, वसन्त विहार, निकट एफ.आर.आई. मेन गेट, चकराता रोड, देहरादून।	01.02.2019	31.01.2021	
58	मान्या डेन्टल हास्पिटल, इन्द्रप्रस्थ लेन-2, अपर नथनपुर, रिंग रोड, जोगीवाला, देहरादून।	28.02.2019	28.02.2021	0135-2662933, 7088547722
59	फोर्टिस एस्कोर्ट हार्ट इन्स्टीटयूट एण्ड रिसर्च सेन्टर लिमिटेड, ओखला रोड, नई दिल्ली	01.07.2018	30.06.2020	
60	राजीव गांधी कैन्सर इन्स्टीटयूट एण्ड रिसर्च सेन्टर, (इन्द्रप्रस्थ कैंसर सोसायटी एण्ड रिसर्च सैन्टर की इकाई), सैक्टर-V, रोहिणी, दिल्ली	01.07.2018	30.06.2020	9873722247, 011-47022157
61	इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल, सरिता विहार, दिल्ली-मथुरा रोड, नई दिल्ली	01.07.2018	30.06.2020	9818437865, 011-26925858
62	आरोग्य धाम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, 6 न्यू रोड, निकट दून हॉस्पिटल, देहरादून	7.1.2020	31.12.2021	0135-2719995, 9927520008

टिप्पणी:-उपरोक्त चिकित्सालयों की सूची अनंतिम है तथा मान्यता, मान्यता अवधि एवं अन्य विस्तृत जानकारी मानव संसाधन विभाग की सम्बन्धित इकाई से प्राप्त की जा सकती है।

Congratulations

Eminent Engineers Award

Er. Purushottam Singh

Director Operations, UJVNL was awarded with Eminent Engineers Award for on Engineer's Day i.e. 15th September, 2019 by The Institution of Engineers (India) for his distinctive Engineering Services.

The award was presented to Shri Purushottam Singh by the Hon'ble HRD Minister, GoI Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank in the benign presence of Hon'ble Minister of Education, GoU Shri Arvind Pandey in a function held at the ANM Ghosh Auditorium, ONGC, Dehradun.

कु. पर्लिश केशरवानी पुत्री श्री मनोज केशरवानी, उपमहाप्रबन्धक सिविल द्वारा श्री सनातन धर्म धर्माथ समिति व सनातन धर्म कन्या इंटर कालेज, देहरादून की ओर से आई.आर.डी.टी. सभागार, सर्वे चौक, देहरादून में आयोजित भजन गायकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। माननीय विधायक राजपुर रोड श्री खजानदास जी के हाथों कु. पर्लिश को प्रथम पुरस्कार के रुप में प्रशस्ति पत्र एवं रु. दस हजार प्रदान किए गए।

Anshuman Nautiyal S/o Shri Devendra Nautiyal, Junior Engineer at Manager A&S Office, Dehradun completed 495 kms to & fro journey of Dehradun to Gangotri by Cycle in a record time of Three Days.

PRADEEP KAIRA

Junior Engineer at Manager A&S Office, Dehradun completed 495 kms to & fro journey of Dehradun to Gangotri by Cycle in a record time of Three Days.

Green Energy Conclave-2020

Energy Department, Government of Uttarakhand has announced the International Summit on Green Energy in collaboration with UJVN Limited (Uttarakhand State Government Generating Entity) in June 2020. The Summit will focus on Potential, Planning and Finance, Climate Resilience and Hydrology, Environment and Social Aspects, Operations, Dealing with Hazard and Risk, Safety of Water Infrastructure, Hydraulic Machinery, Capacity Building & Training, Generation Scheduling, Turbine Efficiency, Sustainability, Green Bonds, Regional Interconnection etc. This initiative will include organizing sessions, panel discussions and exhibition. The Summit will also provide a platform to showcase new technologies, construction methods and noteworthy projects.

Uttarakhand is the 27th State of India, formed after bifurcation of Uttar Pradesh on 9th of November, 2000. Geographically, the State is spread over 53480 Sq. Kms with 13 Revenue Districts & 15761 inhabited villages. Nearly 86% of the area is hilly, and 65% of the area has forest cover and the rest comprising of the Terai areas.

The State is endowed with abundant renewable sources for generating electricity. Most of this could be harnessed through environmentally clean small, medium & large hydroelectric projects, solar projects, biomass/agricultural residue, urban, municipal and industrial waste, wind energy and geothermal energy.

At present annual energy demand of the State is about 14000 MU out of which the State power generation utility generates about 35% of total demand. There is a huge gap between power demand and supply in the state. Approximately 65% demand is fulfilled through CGS (Central Generating Stations) and power procured through open market which is costing approximately Rs 1000 Crores per year which is huge burden on the State, whereas with similar geographical and environmental condition the neighbouring State Himachal Pradesh is selling energy of worth Rs. 1000 Crores annually.

Hydro power is clean, green, sustainable and also a cheap source of power in the long run. Amongst the renewable sources of energy, hydro power has been recognized as the most preferred source of energy due to its inherent benefits. In Uttarakhand the total estimated environmentally sustainable Hydro Power potential is 17,000 MW out of which about 3989 MW (23%) is Operational, 2357 MW (14%) of projects are under construction and uuntapped potential is 13011 MW (63%) and this is such miniscule.

Hydro power has been losing ground to more competitive renewable energy sources, it is gaining importance in meeting the changing grid requirements on the other. Greater renewable energy penetration has increased the need for balancing power. Hydro power is being increasingly seen as being best suited to meet these requirements. In fact, the black start capability of hydropower stations has been acknowledged to be strategic from the point of grid resiliency by regulators.

The entire state receives a good amount of solar insolation, about 4.5 to 5.5 Kwh/sqm. It is an adequate radiation which can be tapped for electricity generation in the state. The average solar radiation is 1300 Kwh/Sqm. in

the state and this is equivalent to solar power potential of about 1300 MW out of which only 276 MW has been tapped and 1024 MW capacity is untapped.

The state has large number of food processing and agriculture based industry which produces a huge amount of agro residue and thus holds potential for generating decentralized energy through biomass waste. Apart from this, there is also co-generation power potential available in sugar, paper, fertilizer, chemical, textile and other industries. The state has an estimated potential of about 262 MW of electricity generation through this mode out of which 131 MW (50 %) capacity is tapped and half is untapped.

Uttarakhand is home to more than 340,000 hectares of pine forests which can produce energy through pine needles. The state has an estimated potential of about 150 MW which is fully untapped till now.

Theme of Summit:

i) Renewable Energy Development National/ International Scenario.

ii) Constraints/Limitations.

iii) Financing (NPA/PPA etc.)

iv) Technology & Innovations

v) Regulations, Acts & Policies

Target Audience

The conference is targeted at officials and managers from:

Central Public Sector Units	Civil Work Contractors	Interstate Transmission Operators
Private Developers	Financial Institutions	Distribution Companies
EPC Providers	Technology Providers	Geo Technical Experts
Policy Makers	State Electricity Boards	Legal and Investment Firms
Regulatory agencies	Power Generation Companies	State/Central Govt. Agencies
Equipment manufacturers	Consultancy Organisations etc.	

Tariff Determination Methodology for Hydro Power Plant

Background

The Electricity Act 2003 has empowered the Central Electricity Regulatory Commission (CERC) to specify the terms and conditions for the determination of tariff in respect of the generating companies that are either owned by the Central Government or supply power to more than one State. The CERC is also empowered to determine the tariff that can be levied by Transmission licensees for Inter-State transmission of electricity.

Section 61 of the Act empowers the Commission to specify, by regulations, the terms and conditions for the determination of tariff in accordance with the provisions of the said section and the National Electricity Policy and Tariff Policy.

After the enactment of the Electricity Act 2003, the CERC had come out with Tariff regulations for the period FY 2004-09 in March 2004. Post the expiry of earlier Regulations on March 31, 2009, the CERC had notified new tariff regulations on January 19, 2009 for the next control period FY 2009-14. The new regulations apply to all Generating stations (excluding stations based on non-conventional energy sources) and Transmission licensees, provided that the tariffs for these entities have not been determined through bidding process in accordance with the guidelines issued by the Central Government.

The Tariff regulations notified by the CERC are also important for the various State Electricity Regulatory Commissions (SERCs) as they are guided by these regulations while framing their own tariff principles for the State sector utilities concerned.

Regulatory Norms for Computation of Tariff for hydro Power Plant

Power generation from Hydropower is highly capital-intensive but being renewable **source** of energy there are no consumables involved which thus results in little recurring cost with modest long term expenditure. The Power generated from Hydropower plant is relatively cheaper as compared to electricity generated from Coal and Gas fired plants. It also reduces **the** financial losses due to frequency fluctuations and being inflation free due to not usage of fossil fuel is more reliable.

The Capital cost for a Hydro Power Plant consists of a significant chunk of the total costs and includes the cost of land, the cost of building and equipment, cost of installation and the cost of designing and planning of the station. It varies with the site and location of the station and the type of the equipment used. The Generating company can obtain the capital for financing their investment in the form of equity or debt or a mix of both.

The Tariff for supply of electricity from a Hydro generating station comprises of Capacity charge and Energy charge which are derived in the manner as mentioned in subsequent paragraphs, for recovery of Annual fixed cost through the two charges namely Capacity & Energy charge.

General Concepts in reference to Hydro Tariff determination

(i) Additional capitalisation: Additional capitalization means the capital expenditure incurred or projected to be incurred, after the date of commercial operation of the project and admitted by the Commission after prudence check.

(ii) Auxiliary energy consumption: The quantum of energy consumed by auxiliary equipment of the generating station, and transformer losses within the generating station, expressed as a percentage of the sum of gross energy generated at the generator terminals of all the units of the generating station.

(iii) Capital cost: Capital Cost for a Project includes the expenditure incurred or projected to be incurred, including interest during construction and financing charges, any gain or loss on account of foreign exchange risk variation during construction on the loan - (i) being equal to 70% of the funds deployed, in the event of the actual equity in excess of 30% of the funds deployed, treating the excess equity as normative loan, or (ii) being equal to the actual amount of loan in the event of the actual equity less than 30% of the funds deployed, - up to the date of commercial operation of the project, as admitted by the Commission, after prudence check,

Provided that the commission may issue guidelines for vetting of Capital Cost of Hydro-electric projects by independent agency or expert and in that event the capital cost as vetted by such agency may be considered by the Commission while determining the tariff for Hydro generating station. Provided also that the Capital cost in case of such Hydro generating station shall include:

(a) Cost of approved rehabilitation and resettlement (R&R) plan of the project in conformity with National R&R Policy and R&R package as approved; and

(b) Cost of the developer's 10% contribution towards Rajiv Gandhi Grameen Vidyutikaran Yojana (RGGVY) project in the affected area.

(iv) Date of Commercial Operation' or 'COD': The date declared by the Generating company from 0000 hour of which, after notice to the beneficiaries, scheduling process in accordance with the Indian Electricity Grid Code is fully implemented, and in relation to the Generating station as a whole, the date declared by the Generating company after demonstrating peaking capability corresponding to Installed capacity of the Generating station through a successful trial run, after notice to the beneficiaries.

(v) Debt-Equity Ratio: In case of all Generating stations, Debt—Equity ratio as on the date of commercial operation shall be considered as 70:30 for determination of tariff. However, if the Equity employed is more than 30%, the amount of Equity for determination of tariff would be limited to 30% and the balance amount shall be considered as the normative loan. Also, if the actual equity employed by the developer is less than 30%, the actual Debt and Equity would considered for determination of tariff.

(vi) Declared capacity: The capability to deliver ex-bus electricity in MW declared by such generating station in relation to any time-block of the day or whole of the day, duly taking into account the availability of fuel or water, and subject to further qualification in the relevant regulation.

(vii) Design energy: Design energy means the quantum of energy which can be generated in a 90% dependable year with 95% installed capacity of the Hydro generating station.

(viii) Infirm power: Electricity injected into the grid prior to the commercial operation of a unit or block of the generating station.

(ix) Installed capacity: The summation of the name plate capacities of all the units of the generating station or the capacity of the generating station (reckoned at the generator terminals), approved by the Commission from time to time.

(x) Normative Annual Plant Availability Factor (NAPAF): Normative annual plant availability factor (NAPAF) for Hydro generating stations is determined by t he Commission as per the following criteria:

(a) Storage and Pondage type plants with head variation between Full Reservoir Level (FRL) and Minimum Draw Down Level (MDDL) of up to 8%, and where plant availability is not affected by silt : 90%

(b) Storage and Pondage type plants with head variation between FRL and **MDDL** of more than 8%, where plant availability is not affected by silt : (Average head / Rated head) + 0.02

(c) Pondage type plants where plant availability is significantly affected by silt: 85%.

(d) Run-of-river type plants: NAPAF to be determined plant-wise, based on 1 0-day design energy data, moderated by past experience where available/ relevant.

(xi) Operation and Maintenance expenses: The expenditure incurred on operation and maintenance of the project, or part thereof, and includes the expenditure on manpower, repairs, spares, consumables, insurance and overheads.

(xii) Plant availability factor (PAF): The average of the daily declared capacities (DCs) for all the days during that period expressed as a percentage of the installed capacity in MW reduced by the **normative auxiliary** energy consumption.

(xiii) Capacity Index (CI)

Capacity Index (CI) = {Declared Capacity (MW) / Maximum Available Capacity (MW)} x 100

Where, Declared Capacity (DC) is the power that is expected to be generated next day based on availability of water & machine; and Maximum Available Capacity (MAC) is the maximum power that a station can generate with all units running, under the prevailing water levels and flows over the peaking hours next day.

(xiv) Conversion of MW into Million Units (MUs)

$$1\text{ MW} = \frac{1\text{MW x 365days x 24 hours x Availability Factor (\%) x 1000}}{1,00,00,000}$$

Components of Annual Fixed Charge (AFC)

The fixed component of the tariff is mainly dependent on the capital cost of the project. The fixed component of the tariff ensures that the power producer is able to recover the fixed expenses and earn a Return on Investment, irrespective of the actual generation. For Hydro power generating stations, much of the costs are fixed in nature.

Table 1: Annual Fixed Charges for Hydro Power Projects

Component of AFC		
a	Return on Equity	15.50%
b	Interest on Loan Capital	As per actual
c	Depreciation	5.28%
d	Interest on Working Capital	Based on Normative Parameters
e	Operation & Maintenance Costs	Based on Normative Parameters

(a) Return on Equity: CERC has specified a Pre-Tax RoE of 15.5% for the tariff period FY 2009-14. Further, it has allowed an additional RoE of 0.5% for projects commissioned after April 2009 within specific timelines. The additional RoE allowed by CERC is acting as an incentive for a project developer to achieve time-bound milestones. On the other hand, the Tariff Regulations does not allow utilities to recover tax on income such as Unscheduled interchange (UI) and incentive income from beneficiaries.

(b) Interest on Loan Capital: The CERC has specified a debt-equity ratio of 70:30 as the funding mix for the capital cost of a project. The interest rate as per actuals on these loan funds is recoverable as part of the tariff. The Tariff Regulations allows retention of 1/3rd of the benefits, if any, arising out of re-financing of loans; earlier such benefits were required to be passed on entirely to the beneficiaries.

(c) Depreciation: In the Tariff regulations for the period FY 2009-14 the CERC has removed the concept of AAD and it has at the same time increased the depreciation rates applicable for projects. As against the earlier deprecation rate of 3.6% for Hydro power projects (based on a 35-year project life and 90% of the capital cost), the CERC has increased the depreciation rate to 5.28% for most components of the project.

(d) Interest on Working Capital: The Working capital for a Hydro Power Plant has following components:

Table 2: Components of Working Capital for Power Projects

Components		
1	Maintenance Spares	15% of O&M Costs
2	Sales Receivables	2 Months of Fixed Cost
3	O&M expenses	1 Month

(e) Operations & Maintenance Costs: Since various factors such as location, topography, and project layout determine the nature of a particular Hydro power station, the O&M costs for two Hydro plants can vary and hence no normative parameters for O&M expenses have been defined by the CERC for a Hydro Power Plant.

As a result, the actual O&M expenses (excluding abnormal expenses) for the period 2003-04 to 2007-08 are the basis for O&M expenses for the tariff period 2009-14.

For practical purposes, the normalised O&M expenses for the period 2003-04 to 2007-08 have to be escalated at 5.17% p.a. to arrive at the 2007-08 price levels and the average of these expenses at the 2007-08 price levels have to be escalated at 5.72% p.a. to arrive at the O&M expenses for the year 2009-10.

To account for the increase in employee cost on account of pay revision, O&M expenses for 2009-10 are to be increased by 50% (upwards), which forms the base for the next years in the tariff period. For new plants commissioned after April 2009, 2% of the project cost (excluding R&R expenses) defines the base O&M expense, which has to be escalated @ 5.72% p.a. for further period.

Recovery of Annual Fixed Costs

The Annual Fixed cost of a Hydro generating station is determined by the Commission for each year of the Control period, based on the above specified norms. The Annual Fixed cost is recovered from the beneficiaries by the Generating Utility on a monthly basis under Capacity charge (inclusive of incentive) and Energy charge.

Capacity charges

The Capacity charges are payable by the beneficiaries in proportion to their respective allocation in the saleable Capacity of the Generating station, i.e, in the Capacity excluding the free power to the home State:

The capacity charge (inclusive of incentive) payable to a Hydro generating station for a calendar month is determined as:

Capacity Charge (Rs)

$$= AFC \times 0.5 \times (NDM / NDY) \times (PAFM / NAPAF)$$

Where,

AFC (Rs) = Annual fixed cost as specified by the Commission for the year

NAPAF	=	Normative Plant availability factor, in percentage
NDM	=	Number of days in the month
NDY	=	Number of days in the year
PAFM	=	Plant availability factor achieved during the month, in Percentage

The **PAFM** is determined in accordance with the following formula:

PAFM = 10000 x ∑ (Declared Capacity) / {N x IC x (100- Aux)} %

Where,

PAFM	=	Plant ava
AUX	=	Normative auxiliary energy consumption in percentage
DCi	=	Declared capacity (in ex-bus MW) for the ith day of the month which the station can deliver for at least three (3) hours, as certified by the nodal load dispatch centre after the day is over.
IC	=	Installed capacity (in MW) of the complete generating station
N	=	Number of days in the month

Energy charges

The Energy charge are payable by each beneficiary for the total energy scheduled to be supplied to the beneficiary, excluding the free energy, if any, during the calendar month, at the computed energy charge rate.

Total Energy charge payable to the generating company for a month are determined as per the following formula:

(Energy charge rate in R/kWh)x {Scheduled energy for the month in kWh} x (100 — FEHS) / 100

Energy charge rate in Rupees per kWh, for a Hydro generating station, is calculated according to the following formula:

Energy charge rate = AFC x 0.5 x 10/ {DE x (100 — AUX) x (100 — FEHS)}

Where,

DE (Mwh)	=	Annual design energy specified for the Hydro generating station FENS (%) = Free energy for the home State

CERC has capped the Energy charge rate at Rs 0.80/Unit (for all Hydro projects)

Fixed charges recovery linked to Availability of the Plant

Earlier, the CERC norms for the period 2001-04 and 2004-09 followed the concept of Capacity Index for recovery of Annual Fixed Costs (AFC), whereby irrespective of actual water availability, a plant would have been in a position to declare a high capacity index and hence became eligible for recovery of AFC as well as incentives. As a result, these plants were protected against hydrological risks.

During years of low water availability, the beneficiaries of the project had to pay Annual Fixed Costs (AFC) despite power not being available from the project. On the other hand, in years of excess water availability, the Generating company used to become eligible for Secondary energy charges (which was the lowest variable cost of a thermal power station in its grid).

Hence, the benefits in a scenario of adequate water availability were accruing to the Generator, even as it was insulated against any hydrological risks, in case of poor water availability. Given this backdrop, the CERC divided the recovery of Annual Fixed Costs into two components - Capacity Charge & Energy Charge and linked the recovery to Actual Plant availability Capacity Charge (Rs. lakh) = AFC x 0.5 x (Actual Plant Availability Factor/Normative Plant Availability Factor)

Energy Charge (Rs/Kwh) = AFC x 0.5/Design Energy (adjusted for Auxiliary consumption and free power sale)

Total Energy Charge (Rs. Lakh) = Energy Charge (Rs/Unit) x Actual Generation

However, according to the formula for Energy charge under this Regulation, a Hydro power plant that has been in operation for many years and has largely paid off its debt would have lower Annual Fixed Costs and thus would result in a lower Energy charge.

On the other hand, a new power plant will benefit from its higher Annual Fixed Costs by virtue of debt repayments and hence benefitting from a higher energy charge (although capped at Rs 0.80/Unit).

Tariff determination exercise for a 500 MW Hydro Power Plant

Table 3: Given Data for computation of Tariff

S. No.	Particulars	Normative Parameters
1	Capacity of Plant	500 MW
2	Capital Cost	6 Cr/MW
3.	Debt Equity Ratio	70:30*
4	Return on Equity	15.5%*
5	Interest on Loan	10%
6	Working Capital (10% of Total Capital)	300 Cr
7	Interest on Working Capital	10%
8	Depreciation Rate	5.28%*
9	Operation and Maintenance cost	2% of Project cost*
10	Plant Availability Factor	90%*
11	Auxiliary Energy Consumption	1%*
12	Plant Life (For Hydropower Plant)	35 Years*

** Data as per CERC Tariff Regulations jiff FY 2009-14*

Calculations:

Fixed Cost Component calculations

(1) Return on Equity

Capital cost/MW = Rs. 6 Cr

Capital cost for 500 MW =- 500 x 6 = Rs. 3,000 Cr.

Normative Debt/Equity Ratio= 70:30 Equity = 30/100 X 3000 = Rs. 900 Cr. Debt =70/100 X 3000 = Rs. 2, 100 Cr. RoE = 15.5% of Equity

= 15.5/100 x 900 = Rs. 139.50 Cr.

(2) Interest on Loan

10% of Debt=10 /100 x 2100 =Rs. 210 Cr.

(3) Interest on Working capital

10% of Working capital (Rs. 300 Cr.)

10/100 x 300 = Rs. 30 Cr.

(4) Depreciation

5.28% of Capital cost

= 5.28/100 x 3000

= Rs. 158.40 Cr.

(5) O&M Cost

Normative O&M Cost: 2% of Project Cost

2% x 3000 = Rs. 60 Cr

Hence,

Total Fixed cost = (1) + (2) + (3) + (4) + (5)

Rs. (139.50+210+30+158.40+60) = Rs. 597.90 Cr. - Rs. 597.90 x 10^{7}

Annual Energy generation

Gross Energy generated in the Year 500 MW = $\frac{500 \times 365 \times 24 \times 90 \times 1000}{10^{6}}$

= 3942 Million Units (Mus)

= 3942 x 10^{6} Units

Auxiliary consumption: 1%

Hence, Net Annual Energy generation: Gross energy x (1 - Aux consumption)

= 3942 x 10^{6} x(1 - 1%)

= 3902.58 x 10^{6} Units

Fixed cost per unit:

Fixed cost/Unit = (Total Fixed cost)/(Net Annual Energy Generation)

= (597.90x10^{7})/(3902.58x10^{6})

= Rs 1.53/kWh

Nominal Tariff:

Nominal Tariff = (Fixed cost/Unit) + (Variable cost/Unit)

= Rs(1.53+0)/Unit

= Rs 1.53/Unit

MAHESH PAL SINGH
EE (P&C), Ganga Bhawan,
Dehradun

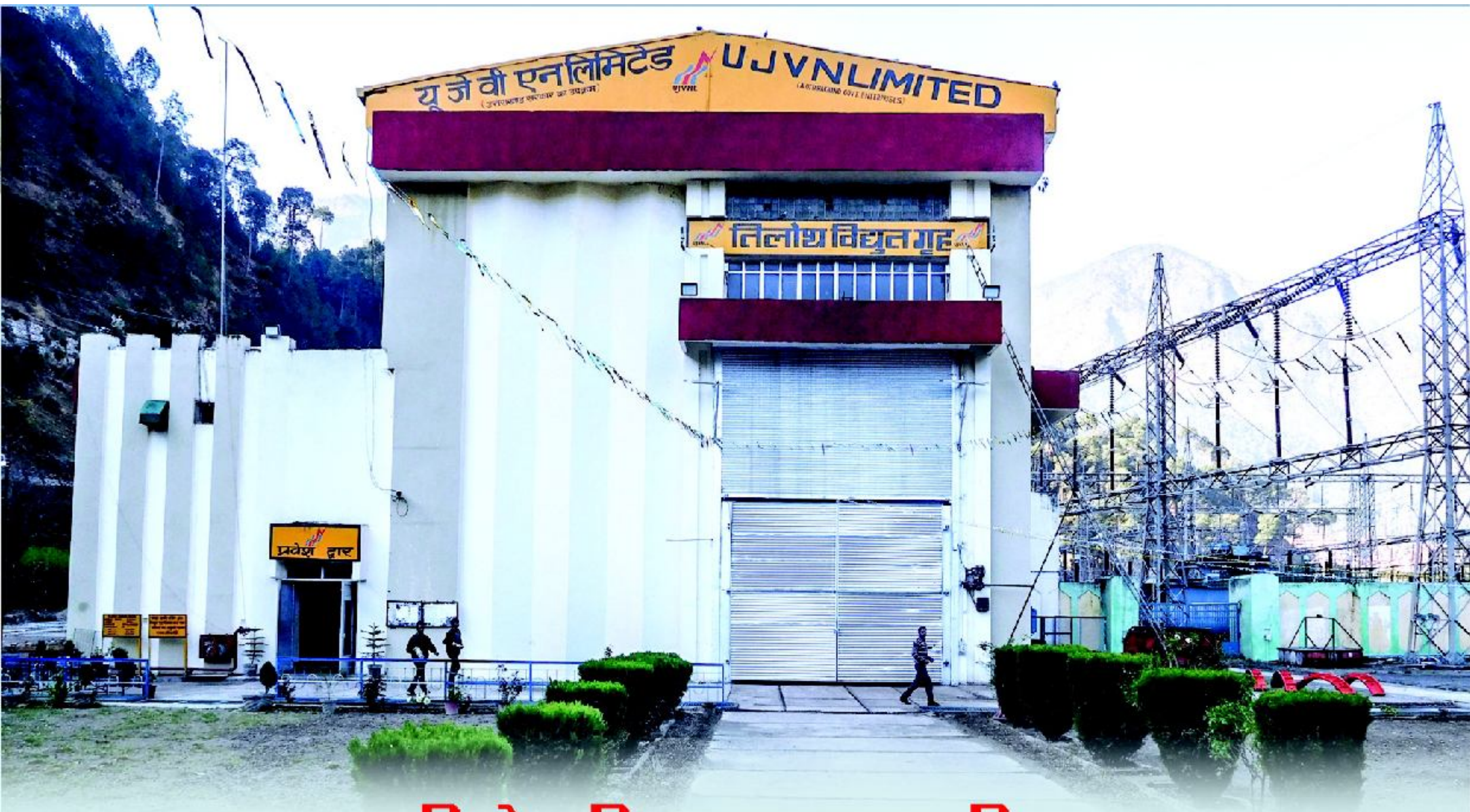

तिलोथ विद्युतगृह : एक परिचय

तिलोथ विद्युतगृह सीमांत जनपद उत्तरकाशी में भगीरथी नदी के किनारे स्थित है। इस विद्युतगृह की स्थापना मनेरी भाली प्रथम चरण जल विद्युत परियोजना के अंतर्गत की गई थी। यह परियोजना सन् 1984 में उर्जीकृत कर दी गई थी। परियोजना की कुल स्थापित क्षमता 90 मेगावाट है जिसमें 30-30 मेगावाट की तीन फ्रांसिस टरबाइनें विद्युत उत्पादन करती हैं। परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 में 300 मिलियन यूनिट का वार्षिक लक्ष्य केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया गया है जिसे विद्युतगृह द्वारा 07 दिसंबर 2019 तक 300.1214 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करके समय से पूर्व ही प्राप्त कर लिया गया है। परियोजना का ग्रॉस हेड 180 मीटर तथा नैट हेड 145 मीटर है। परियोजना का जल संग्रहण क्षेत्र (Catchment Area) लगभग 4024 वर्ग किलोमीटर है। विद्युत उत्पादन के लिए डाइवर्जन हेतू मनेरी डैम में बनाया गया है जिसकी उंचाई 39 मीटर है। परियोजना की टरबाइनों तक 8.63 किलोमीटर लंबी एवं 4.75 मीटर व्यास की गोलाकार सुरंग तथा 3.8 मीटर व्यास वाले मुख्य पेनस्टॉक द्वारा विद्युत उत्पादन हेतु पानी पहुंचाया जाता है। परियोजना का डिजाइन डिस्चार्ज 70 क्यूमैक्स है।

तिलोथ विद्युतगृह यूजेवीएन लिमिटेड का एक महत्वपूर्ण अंग है तथा यूजेवीएल लिमिटेड के सतत् विकास में महत्ती भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में इसके आर.एम.यू. के कार्य चल रहे हैं जिनके पूर्ण होने के उपरांत निश्चित ही परियोजना की स्थापित क्षमता के साथ ही इसके उत्पादन में भी वृद्धि होने की पूरी पूरी संभावनाएं हैं।

जल विद्युत गृहों में मशीनों के अनुरक्षण का महत्व

जल विद्युतगृह यूजेवीएन लिमिटेड की जीवनरेखा हैं। निगम के अस्तित्व के लिए ये अत्यंत आवश्यक हैं। विद्युतगृहों का एक अत्यंत आवश्यक घटक वहां स्थापित मशीनें हैं। यदि कहा जाए कि ये विद्युतगृह की धड़कन हैं तो अतिशियोक्ति न होगी। लगातार पानी के संपर्क में रहने एवं चलते रहने के कारण मशीनों में टूट-फूट एवं क्षरण होता रहता है जिससे उनमें ब्रेकडाउन की संभावना बन जाती है। इससे न केवल जनरेशन लॉस होता है बल्कि अन्य स्रोतों से विद्युत क्रय से राजस्व हानि भी होती है। अतः मशीनों की समय से मरम्मत एवं अनुरक्षण जल विद्युतगृहों के परिचालन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

जल विद्युत गृहों में मशीनों का समय से अनुरक्षण कराया जाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इससे मशीनों के फोर्स्ड शटडाऊन टाईम में कमी आती है तथा मशीनों से लगातार विद्युत उत्पादन प्राप्त करना सुनिश्चित होता है। विद्युत गृहों की विश्वसनीयता (Realiability) बढ़ती है तथा उत्पादन हानि की सम्भावनाओं को कम किया जाता है, जिसका सीधा असर विद्युत गृहों से होने वाली आय पर पड़ता है।

विद्युत गृहों में मशीनों तथा अन्य सम्बन्धित उपकरणों के वार्षिक अनुरक्षण अथवा वृहद् अनुरक्षण की वार्षिक सारणी (Schedule) वर्ष के आरम्भ में ही बना ली जानी चाहिये तथा पूरे प्रयास किये जाने चाहिये कि मशीनों तथा अन्य सम्बन्धित उपकरणों का वार्षिक अनुरक्षण उक्त सारणी के अनुसार ही पूर्ण कर लिये जायें, जिससे कि मशीनें समय से वापस विद्युत उत्पादन हेतु तैयार रह सकें। मशीनों की वार्षिक अनुरक्षण सारणी बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिये कि जो कलपुर्जे बदले जाने हैं वो भी समय पर विद्युत गृहों पर उपलब्ध रहें अन्यथा अनुरक्षण कार्यो में विलम्ब हो सकता है। साथ ही अन्य सम्बन्धित सामान जैसे कि टी. एण्ड पी., ग्रीस, टरबाईन ऑयल, ट्रासफार्मर ऑयल, कन्ज्यूमेबिल आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिये।

अनुरक्षण कार्य यदि बाहरी संस्था अथवा ठेकेदार के माध्यम से कराए जाने हैं तो उसके लिये सभी औपचारिकतायें यथा प्रशासनिक स्वीकृति, निविदा एवं अनुबन्ध में लगने वाले अनुमानित समय की भी गणना कर ली जानी चाहिये, जिससे कि मशीनों का अनुरक्षण समय से प्रारम्भ हो सके। मशीनों तथा विद्युत गृह के अन्य उपकरणों में किये गये कार्यों को हिस्ट्री रजिस्टर में लिखा जाना चाहिये, जिससे कि भविष्य में मशीनों के अनुरक्षण कार्य कराते समय पूर्व में किये गये कार्यों का विवरण मिल जाये व अनुरक्षण कार्यों में सहयोग मिल सके और इस तरह अनुरक्षण में लगने वाले समय को भी कम किया जा सके। विद्युत गृहों में मशीनों तथा सम्बन्धित उपकरणों के परिचालन एवं अनुरक्षण मैनुअल रखे जाते हैं। मशीनों के अनुरक्षण कार्य इन्ही मैनुअल के अनुसार कराये जाने चाहिये।

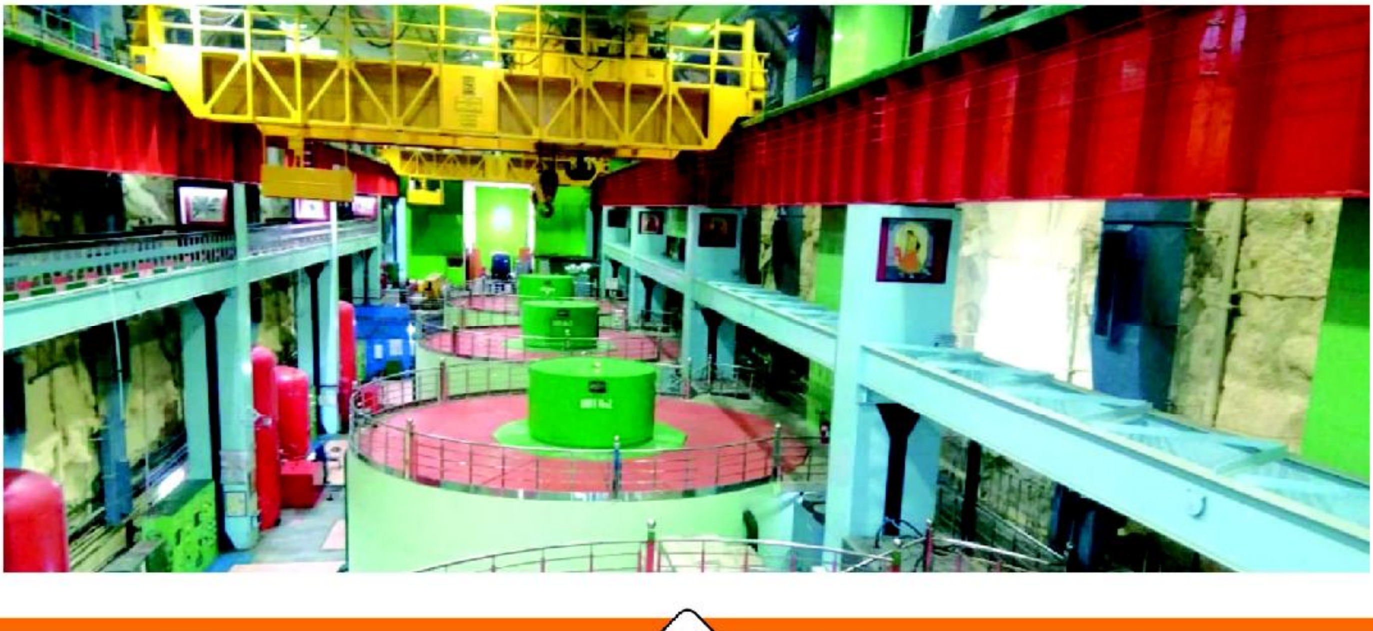

विद्युत गृहों में सेफ्टी का महत्व

आज के समय में उन्नत तकनीक के साथ साथ विभिन्न उद्योगों में दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। काम के साथ साथ जोखिम भी बढ़ रहा है। उद्योगों में काम करने वालों की सुरक्षा के लिए औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन के मैनुअल्स बनाए जाते है जो मशीनों आदि से होने वाले हादसों में कमी करवाते हैं और सुरक्षा के सभी प्रबंध करते हैं। कार्य स्थल में उपकरणों एवं साजो-सामान के साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत स्तर पर भी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि हमारी अपनी सुरक्षा स्वयं के हाथों एवं स्वयं की सावधानी पर बहुत हद तक निर्भर करती है। औद्योगिक सुरक्षा का अर्थ उद्योगों में होने वाली दुर्घटनाओं से कर्मचारियों, उपकरणों एवं संरचनाओं की सुरक्षा करना है। निरंतर बढ़ रहे उद्योगों से दुर्घटना का खतरा भी बढ़ता जा रहा है इसलिए सुरक्षा के सभी प्रबंध करना आवश्यक हो गया है। सरकार द्वारा भी इसके लिए सख्त कानुन बनाए गए है। उद्योगों हेतु बनाये गए सुरक्षा नियमों का पालन करके दुर्घटना और उनसे होने वाले नुकसानों को कम किया जा सकता है। जल विद्युत परियोजनाओं एवं जल विद्युत गृहों हेतु भी सेफ्टी का विशेष महत्व है।

विद्युत गृहों में मशीनों से विद्युत उत्पादन होता रहे तथा विद्युत गृहों में कार्य करने वाले कार्मिक सुरक्षित वातावरण में कार्य करें इसके लिये विद्युत गृहों में सेफ्टी का विशेष रुप से पालन करना होता है। विद्युत गृह में लगे उपकरण सुरक्षित हों तथा किसी प्रकार की कोई दुर्घटना/हानि न हो इसके लिये सेफ्टी अत्यन्त आवश्यक है। इसके लिये मशीनों तथा अन्य उपकरणों की समय-समय पर सेफ्टी जाँच करवायी जानी चाहिये। जिन उपकरणों की आयु समाप्त हो चुकी है उन्हें बदला जाना चाहिये। मशीनों के सेफ्टी से सम्बन्धित भाग यथा प्रेशर रिलीज वाल्व, CO_2 सिस्टम, मशीनों की प्रोटेक्शन रिले, अग्निशामक यंत्र, फ्यूज़, ब्रेक इत्यादि की जाँच नियमित अन्तराल पर की जानी चाहिये। इसके अतिरिक्त विद्युत गृहों का थर्ड पार्टी सेफ्टी ऑडिट भी समय पर कराया जाना चाहिये, जिससे कि सेफ्टी में जो भी कमी हो उसका निराकरण किया जा सके। सेफ्टी ऑडिट की संस्तुतियों पर अविलम्ब आवश्यक कार्यवाही की जानी चाहिये, जिससे कि विद्युत गृहों एवं कार्य करने वाले कार्मिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विद्युत गृहों में होने वाले परिचालन एवं अनुरक्षण कार्यों को कराते समय सेफ्टी को प्राथमिकता दी जानी चाहिये यथा हेल्मेट, दस्ताने, सुरक्षा बैल्ट, विशेष सुरक्षित जूते इत्यादि का प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिये, जिससे कि मशीनें एवं कार्य करने वाले लोग सुरक्षित रहें व किसी भी प्रकार की दुर्घटना/हानि से बचा जा सके।

उपरोक्त तथ्यों के महत्व को देखते हुए ही परियोजनाओं एवं विद्युतगृहों में सुरक्षा मानकों का गंभीरता से पालन किया जाता है।

रौशन चरागो और शमाओं को हम देखा नहीं करते,
हमसे देखे ही नहीं जाते, जब्त कर के जलने वाले।
मचलते दरिया की रवानी का लुत्फ हम नहीं करते,
हमसे देखे ही नहीं जाते, घर से दूर जाने वाले॥

बहते झरनो के मंजर आखों में हम जज्ब नहीं करते,
हमसे देखे ही नहीं जाते, बुलन्दी से गिरने वाले।
वक्त से सहमे लोगो की हिमायत हम किया नहीं करते,
हमसे देखे ही नहीं जाते, हालातों से डरने वाले॥

तन्हा सफर चले 'अनुज' हमराह के मुंतजिर[1] नहीं रहते,
हमसे देखे ही नहीं जाते, हर मोड़ पे राह बदलने वाले ।

1. इंतजार करने वाला

अनुज कुमार
कार्यालय सहायक-प्रथम,
कार्यालय महाप्रबन्धक, किशाऊ परियोजना, डाकपत्थर

Benefits of Playing Badminton

Benefits of playing badminton may be seen in many ways but classified hereunder just to communicate and to understand.

Physical:

It helps in weight loss, encourages mobility, helps to achieve optimum heart function, increases flexibility and muscle strength. It also promotes your sleep.

Mental:

It helps reduce stress, anxiety & depression. It improves concentration level and helps you become more focussed. It engages your brain in positive way. It increases endorphins, which provides you feel good factor. Playing daily helps you become more attentive and adjusted to deal with stress.

Corporate:

You become smarter to deal with your routine, special and unforeseen challenges. Achievements results in brighter corporate image where you work. Social interaction helps building good industrial, personal & inter-departmental relations. It boosts confidence and encourages team building spirit.

UJVNL in smashing sports:

UJVNL players participated in the following tournaments

- Intra UJVNL Badminton Tournament (Mens & Womens)
- All India Inter State Electricity Badminton Tournament (Mens & Womens)
- National / State Senior Masters (Veteran) Badminton Tournament (Conducted by Badminton Association of India – BAI)
- Inter Office/Department Badminton Tournament (IOBT) conducted by Uttarakhand Secretariat Badminton Club
- Regional / District / Invitational / Ranking Badminton Tournaments recognized by Uttarakhand State Badminton Association (USBA)

So, love all and play.

G.S. Budiyal
Dy. G.M. UJVN Limited
President, Dist. Badminton Association, Pithoragarh
Joint Secretary, Uttarakhand State Badminton Association

Why it is a matter of pride to join UJVN Ltd.

Yogeshwar Pant, *Assistant Engineer (Civil) Pathri*

The title is definitely strange but worth considering. Whenever we work in an organization, career is the first issue. After all, it should be understood what this career is. The career is an individual metaphorical "journey" through learning, work and other aspect of life. There are number of ways to define career and the term is used in a variety of way. The first step of a career is to learn and then to improve the standard of living by converting that learning into action. This standard of living gives us respect in society when our work is in the interest of society and nation.

After the formal discussion, we now come to main topic that why UJVNL's career is a matter of pride for us. As I have written that a good career improves the standard of living and the standard of living give us respect in society when our work is useful for the society and nation. Uttarakhand was formed as an Energy State. The first dream of our state is to develop this state as an energy state. So we should be proud that we are associated with an organization that can fulfill the dream of Uttarakhand. Electrical energy is the first essential component for social, infrastructural and industrial development. Without electricity the modern era cannot be imagined. Just as the wheel made revolutionary change in the machine era, in modern era power has become a pillar of development. We are member of the same electric energy sector organization, this makes us proud.

UJVN Ltd. is the first Govt. enterprise in Uttarakhand Public Sector Undertaking that is paying dividend to state government every year. It is a matter of pride for every employee and management who work in here that our enterprise is the earning son of this state. It is a good experience to work in the state undertaking of the power sector, incorporating these entire features.

One may think that it is a matter of pride to work in UJVN Ltd. as compared to big national and international enterprises. In the present scenario, an ambitious person may disagree with me when I say that working here is a matter of pride. But think that you are part of the mission with which the development of the nation is connected, you think that you are part of the enterprise which is opening the dimensions of development by transforming the momentum of Ganga Yamuna into energy. When think deeply that God has given you a chance, believe the truth of contributing to the development of the country, you may feel proud.

Lastly I would like to mention that there are many people who do not even get a chance to work with such organization. It is a privilege that working in UJVN Ltd. is a good experience. We all have to become partner in making this bright star of the state better. All this can happen when we feel it is a matter of pride to join UJVN Ltd.

एक अनूठी पहल

"राष्ट्र भाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।"

– राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

"जिस देश को अपनी भाषा और अपने साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं वह उन्नत नहीं हो सकता"

– देशरत्न डा0 राजेन्द्र प्रसाद

21वीं सदी जब हमारे नौनिहालों के हाथ मोबाइल, टैब और कम्प्यूटर पर थिरक रहे हैं और जहाँ छुट्टियों का पर्याय केवल मौज-मस्ती रह गया है वहाँ हिन्दी भाषा के प्रति बच्चों में रूचि को विकसित करने का प्रयास निःसंदेह सराहनीय है।

"हिन्दी भाषा एवं अभिव्यक्ति विकास कार्यशाला" शीर्षक के साथ यूपीसीएल से श्रीमती सुनीता मोहन एवं श्रीमती कीर्ति भण्डारी, कुछ शिक्षकों, अभिभावकों और जाग्रत जनमानस द्वारा की एक पहल की गई कि कक्षा 6, 7 एवं 8 के बच्चों के लिये एक कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए। चूंकि कार्यशाला 15 दिवसीय थी तो चुनौतियां भी अधिक थीं जैसे कार्यशाला का स्थान, बच्चे तथा अन्य दायित्व। सौभाग्यवश इस कार्यशाला में मेरे पति श्री हरिओम पाली भी एक कड़ी थे। बस कड़ी से कड़ी जुड़ती चली गयी। सिंचाई विभाग के इंजीनियर श्री पाण्डे, यूजेवीएनएल से इंजीनियर श्रीमती रेखा डंगवाल तथा इंजीनियर श्री पवन राणा का सहर्ष सहयोग मिलता गया और यमुना कॉलोनी के मनोरंजन सदन-द्वितीय में खरसारा इन्टर कॉलेज, टिहरी के शिक्षक श्री मोहन चौहान के सानिध्य में दिनांक 26.12.2019 से हिन्दी भाषा पर विधिवत एक कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया जिसका समापन 10.01.2020 को सभी अभिभावकों तथा कार्यकर्ताओं तथा विशेषज्ञों की उपस्थिति में बहुत ही सौहार्दपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया।

प्रथम चरण में सभी वर्गों से 28 बच्चों के प्रतिभाग के साथ मशहूर रंगकर्मी श्री प्रदीप घिल्डियाल और श्री हरीश भट्ट के योगदान से हिन्दी वाचन एवं लेखन कौशल को विकसित करने हेतु विविध क्रियाकलाप किये गए। बच्चों ने अपने सपनों, विचारों, कल्पनाओं, जिज्ञासाओं तथा आश्चर्यजनक रूप से अपनी शिकायतों को 50 से अधिक चार्ट पेपरों के माध्यम से व्यक्त किया।

दूसरे चरण में प्रसिद्ध बाल साहित्यकार श्री मनोहर चमोली 'मनु' के मार्गदर्शन में श्री प्रदीप बहुगुणा तथा श्री सतीश जोशी ने कार्यशाला को आगे बढ़ाया। बच्चों ने हिन्दी के व्याकरण को समझा तथा हिन्दी भाव अभिव्यक्ति के सौन्दर्य को महसूस किया उपखण्ड शिक्षाधिकारी, डोईवाला श्रीमती चौहान तथा श्रीमती हेमलता तिवारी का स्नेह सहयोग भी मिला और बच्चों ने कार्यशाला का भरपूर आनन्द लिया। समापन के समय अभिभावकों का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यशाला की सम्पूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे युवा शिक्षक श्री दीपक रावत का जोश प्रशंसनीय रहा।

इस कार्यशाला ने सभी के अन्दर एक जीजीविषा उत्पन्न की है कि केवल एक पवित्र संकल्प मात्र की आवश्यकता है उसके बाद तो आप ईश्वरीय सत्ता का उपकरण बन जाते हैं और आपका उद्देश्य भागवत कर्म बन जाता है।

श्रीमती तरविन्दर कौर
वैयक्तिक सहायक-प्रथम

अगस्त 2019 से दिसम्बर 2019 की अवधि में प्रोन्नति

कार्यालय सहायक -द्वितीय से कार्यालय सहायक प्रथम

क्र.सं.	कार्मिक का नाम	माह
1	श्रीमती लज्जू सेमवाल	अगस्त, 2019
2.	श्री मनोनीरज मिश्रा	अगस्त, 2019
3.	श्री सुरेन्द्र सिंह राणा	अगस्त, 2019
4.	श्री राजवीर सिंह	अगस्त, 2019
5.	श्री शशांक चौधरी	अगस्त, 2019
6.	श्री शमशेर सिंह	अगस्त, 2019
7.	श्री ईश्वर सिंह धामी	अगस्त, 2019
चतुर्थ श्रेणी कार्यालय कार्मिक से कार्यालय सहायक -तृतीय		
1	कु. पूजा कुमारी	अक्टूबर, 2019

साइक्लिंग का महत्व

पुराने दिनों की याद करें तो हमें याद आता है कि अधिकतर लोग छोटी दूरी के कार्यों में आने जाने के लिए पैदल या फिर साइकिल का प्रयोग करते थे। इसका मुख्य कारण शायद यातायात के साधनों की कमी या उनका मंहगा होना रहा होगा। समय के साथ साथ स्कूटर, मोटर साइकिल और कार तक आम आदमी की आसान पहुंच ने धीरे धीरे साइकिल को हाशिए पर पहुंचा दिया। आपाधापी की जिंदगी और रोजमर्रा की भागदौड़ और जल्दबाजी के युग में साइकिल का स्थान मोटर वाहनों ने ले लिया। बाजार ने ऋण सुविधा आसान बनाकर इसमें और अधिक इजाफा कर दिया। फिर एक दौर आया जब मोटर वाहनों की भीड़ तथा प्रदूषण बढ़ने पर समाज जागरुक होने लगा। लोग स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने लगे। लोगों ने सुबह शाम टहलना तथा अन्य शारीरिक श्रम के कार्य करना प्रारंभ कर दिया। गली मोहल्लों में जिम खुलने लगे। और साथ ही साइकिल का दौर भी लौट आया। हालांकि अब साइकिलें भी नए रुप में आने लगी हैं।

किसी भी उद्यम में कार्यकुशलता लानी है तो कार्मिकों की मानसिक एवं शारीरिक फिटनेस आवश्यक होती है। यूजेवीएन लिमिटेड में कार्यरत कुछ कार्मिकों द्वारा भी साइक्लिंग को फिटनेस के प्रति जागरूकता के रुप में अपनाते हुए एक ग्रुप का गठन किया गया है जिसके अंतर्गत वे नियमित साइक्लिंग करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त समय समय पर वे रोड साइक्लिंग, माउंटेन साइक्लिंग आदि प्रतियोगिताओं एवं अभियानों में प्रतिभाग करते रहते हैं। इस ग्रुप में श्री मधुर रस्तोगी, श्री विमल डबराल, श्री प्रदीप सिंह कैड़ा, श्री देवेन्द्र नौटियाल, श्री आदित्य प्रकाश राठी, श्री विनोद कुमार, श्री अशोक बिष्ट आदि शामिल हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से देखें तो साइक्लिंग व्यायाम का एक उत्तम साधन है। साइक्लिंग एक सस्ता तथा आसानी से किया जा सकने वाला व्यायाम है जिसका आनंद एवं प्रयोग एक छोटे बच्चे से लेकर वृद्ध व्यक्ति तक हर उम्र के व्यक्ति कर सकते हैं। यह मजेदार होने के साथ साथ पर्यावरण के अनुकूल गतिविधि भी है। साइक्लिंग एक कम शक्ति में अधिक प्रभावी व्यायाम में गिना जाता है। इसमें कम चोट, कम तनाव, कम समय एवं कम प्रयास लगने के कारण आज यह आम जन में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। साइकिल चलाने में व्यक्ति के शरीर में मौजूद मांसपेशियों के लगभग सभी प्रमुख समुहों का प्रयोग होता है। इससे एरोबिक फिटनैस के साथ साथ सहनशक्ति भी बढ़ती है। इसके लिए बहुत अधिक कौशल की भी आवश्यकता नहीं होती और न ही किन्हीं विशेष उपकरणों, मैदान अथवा स्थान की आवश्यकता होती है।

साईक्लिंग के प्रभावों देखते हुए साइकिल चालन को एक पंथ दो काज भी कहा जाता है क्योंकि इसका प्रयोग पर्यावरण अनुकूल यातायात के साधन के रुप में करते हुए साथ में व्यायाम भी हो जाता है। समय, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी ऐसी गतिविधि दूसरी शायद ही कोई होगी।

नियमित रुप से साइकिल चलाने से कई अन्य स्वास्थ्य संबन्धी लाभ और भी हैं। इससे हृदय एवं फेफड़े स्वस्थ्य रहते हैं। रक्त संचरण सुचारु रहता है। मांसपेशियां सुदृढ़ एवं लचीली होती हैं। हड्डियां मजबूत होती हैं। जोड़ों की सक्रियता एवं संचलन में सुधार होता है। मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता एवं अन्य तंत्र तंत्रिका संबन्धी विकार दूर होते हैं। शरीर में वसा का स्तर नियंत्रण में रहता है। विभिन्न रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। साइक्लिंग हमारे मैटाबालिज़्म दर में भी वृद्धि करती है। यदि प्रतिदिन आधे घंटे वर्कआउट के रुप में साइकिल चलाई जाए तो सालभर में एक व्यक्ति लगभग दस से पन्द्रह किलो तक वजन कम कर सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो साइक्लिंग एक आनंददायक, स्वास्थ्यवर्धक और सभी की पहुंच वाली गतिविधि है।

विमल डबराल
जन सम्पर्क अधिकारी

भागुली आमा

दुर्गादत्त जोशी

आमा की उमर करीब अस्सी साल की है। आमा की बूढ़ी जर्जर काया, उपर से सांस का रोग हुए करीब दस साल हो गए। पता नहीं और कितना जीना है? कहीं धूल धुंआ हो तो आमा को खांसी हो जाती है, सांस फूलने लगती है। घर के अंदर रोटी पकने लगी है, लकड़ी का चूल्हा ठहरा, घर में काफी धुंआ हो रहा है। खाना पकाना है तो लकड़ी तो जलेगी ही। घर के अंदर जब रोटी पकती है तो आमा अपने बिस्तर से बैठे बैठे चादर ओढ़े रेंगकर दरवाजे तक आ जाती है। दरवाजे पर तब तक बैठेगी जब तक चूल्हा पूरी तरह शांत न हो जाए। यह सिलसिला अब रोज का ही है। दरवाजे पर बैठकर वहीं से आमा अपनी दुनिया को पूरी तरह ठीक से देखती है। वैसे तो आमा को यहां रहते हुए साठ से ज्यादा साल हो गए, परंतु आमा को यहां का माहौल हर रोज नया ही लगता है। कभी बरसात तो कभी गर्मी, आजकल जाड़ा है। यहां के हर मौसम से आमा को गहरा लगाव है। हर मौसम कुछ न कुछ कहता है आमा से, और आमा उस मौसम के हिसाब से अपने रहने का हिसाब बनाती है। हर मौसम की कुछ यादें आमा को बरबस याद आ जाती हैं। आमा के घर के सामने फलदार पेडों की कतार हैं जो एक एक कर नीचे तक जाती हैं। रोज सुबह से शाम तक इन पेडों में अनेकों चिडियाएं बैठकर आमा से कुछ कहती हैं, जिसे आमा ही समझती है। आमा आंगन में कुछ दाने डालकर उन चिडियों को खाने की दावत देती है। आमा उनको बुलाती है, बोलती है बात करती है उन चिड़ियों से। पेड़ों पर बैठी बेफिक्र चिडियाए, जो प्रसन्नतापूर्वक चहचहाकर एक दूसरे की ओर देखकर मानो आमा से उनके हाल समाचार पूछ रही हों। आमा के दिए दानों को पहले पेड़ से देखती हैं और एक दूसरे को चलकर भोजन करने को कहती हैं। आमा उनको चुपचाप देखती रहती, कोई हलचल होने पर जोर से चहचहाकर चिड़ियाएं उड़ जातीं तो आमा समझ जाती कोई आ रहा है। आमा इसीलिए बिना आवाज किए यहां से शांति पूर्वक मुआयना करती रहती है। आमा कहती चिड़ियों को शांति चाहिए, उन्हें शोर गुल पसंद नहीं। आमा ने एक नजर ऊपर आसमान में डाली। दूर आसमान में उड़ रहे काले बादल बरसने की तैयारी कर रहे हैं। आमा को धूप न आने के कारण का पता चल गया।

आज आसमान में बादल हैं, इसलिए आमा अब आंगन में नहीं आएगी बस दरवाजे से ही अंदर चली जाएगी। आमा को बादलों को देखकर परेसानी हो जाती है। जाड़े के दिन हैं, बादल बरसेंगे तो ठंड बढ़ जाएगी। फिर पता नहीं बचूंगी या नहीं, आमा को शंका होने लगती है। आमा अपने घर के नीचे को देखती है। नीचे के खेतों में साग सब्जी के पौधे उगा रखे हैं। आंगन में बैठा कुत्ता शेरू आमा को टकटकी लगाकर देख रहा है। आमा रोज अपने भोजन में से बचाकर उसे आधी रोटी देती है। आमा के बगल में बिल्ली आकर बैठ गई। आमा ने अपना हाथ बिल्ली के उपर फेरा तो उसने उठकर अपनी पूंछ खड़ी कर दी, जोर से जम्हाई लेकर बिल्ली फिर आमा से लिपट गई। सामने गोशाला के बाहर बंधी नई बछिया पर आमा की नजर गई तो आमा ने अपनी बहू को आवाज लगाई, "बहू बछिया को आटे की लोई दे दी थी?" "हां मांजी"

अंदर से आवाज आई। आमा अब बिल्कुल काम नहीं कर पाती परंतु हर चीज की आमा खोज खबर लेती रहती है। आमा का घर है यह। अब भी घर को आमा पूरी तरह से अपने नियंत्रण में रखती है।

हां आमा अकेली बैठकर सबको देख रही है। केवल अपना घर ही नहीं बाकी अपने आस पास के हाल चाल, कुशलक्षेम की आमा को चिंता है। अब आमा सामने पहाड़ की ओर टकटकी लगाकर देखती है। सामने के पहाड़ के बीचों बीच पिथौरागढ़ को जाने वाली रोड, रोड पर आते जाते वाहन। वाहनों की आवाज, मोड़ों पर बजते हॉरन आमा को अपनी ओर आकर्षित कर जाते। आमा अपना पूरा ध्यान उधर ही कर देती। आमा के सामने वाले पहाड़ पर बने घरों में भी हलचल हो रही है। कहीं कोई अपनी गाय बकरियां चराने चल पड़ा है, तो कोई खेतों में पानी लगा रहा है। आमा के घर से दूर तक दिखता है। आमा ने अपनी बहू को आवाज लगाई, "बहू पार की चंद्रा अपने मैके गई थी, वह आ गई है क्या ?तुम्हारी मुलाकात हुई उससे वह मेरी दवा लाने को कह रही थी ?" अंदर से आवाज आई, "हां मांजी आ गई है दोपहर में हमारे घर आने को कह रही थी।" सुनकर आमा फिर से अपने पूरे संसार को ध्यान से देखने के काम में लग गई। आमा अपने घर के दरवाजे पर बैठे बैठे अपने आस पास की सभी गतिविधियों का जायजा लेने लगती है। पहाड़ पर रहने का यह बहुत बड़ा फायदा है कि यहां से बहुत दूर तक का परिदृश्य आपकी आंखों के सामने होता है। आप अकेले बैठे हों तो आप चारों ओर को देखकर अपना मन बहला सकते हैं। आमा अपने सामने यह दृश्य तब से देख रही है, जब से आमा ब्याह के इस गांव में आई थी। पहले आमा को फुरसत नहीं होती थी। अब फुरसत ही फुरसत है। आमा को इसे बार बार देखने की आदत सी हो गई है। उसे अच्छा लगता है इसलिए आमा का देहली से उठने का मन ही नहीं करता। दूर सामने की चोटियों मे जाड़े के दिनों में बर्फ पड़ जाती है तो लगता है हिमशिखर आपसे मिलने के लिए अब और पास आ गए हैं। हिमशिखरों के पास आने से आमा को परेशानी का अनुभव है, जाड़ा बढ़ जाता है। नीचे बह रही छोटी नदी के बहने की आवाज भी आपके कानों तक पहुंच जाती है और ऊपर की हलचल भी।

आमा अपनी धुंधली होती नजर से सब चुपचाप देख रही है। आमा आज अपने अतीत में चली गई है। उन्हें याद है, जब वह बच्ची थी। वह भी अपनी बाखली के बच्चों के साथ खेलती थी। तब स्कूल नहीं थे, सब बगैर पढ़े लिखे ही अपना जीवन जी लेते थे। जीवन जीने का जरूरी ज्ञान अपने मां बापू से ही सीख लेते थे। जब थोड़ा बड़ी हुई तो अपनी मां के साथ घर गृहस्थी के काम सीखने लगी थी। उसे यह भी याद है जब वह केवल सात आठ साल की थी उसने पहली बार लकड़ी के चूल्हे पर अपने पिता जी के लिए रोटियां बनाई थी। बहुत खुश हुए थे उसके बापू अपनी भागा के हाथ की बनी रोटियां खाकर। उन्होंने उठकर हाथ चूम लिए थे उसके, भौत बढ़िया भौत बढ़िया कह रहे थे। शाम को बाजार से आते वक्त वे जलेबी लेकर आए थे उसके लिए। ईजा भी बहुत प्रसन्न हुई थी आमा की रोटियां देखकर। बस मां बापू की प्रसन्नता को देखकर वह घर गृहस्थी के कामों में रम गई। पंद्रह साल की उम्र में शादी हो हुई थी रमेश के बापू के संग, तब से लेकर आज तक पैंसठ वर्ष की उनकी गृहस्थ की जीवन यात्रा इसी गांव में पूरी हुई है। अब तो आमा गांव के हर एक की आवाज को दूर से ही सुनकर पहचान जाती है। गांव में कौन कैसा है इसे भी आमा बखूबी जानती है। उसे यह भी याद है उसके सामने ही बनी थी यह पिथौरागढ़ को जाने वाली सड़क। आमा को आज याद आया कि तब गांव से कई लोग उस सड़क पर काम करने जाते थे। उनमें रमेश के बापू भी थे। उन दिनों पैदल ही उस सड़क तक, तीन किलोमीटर की दूरी तय कर, फिर दिनभर काम कर, शाम को पैदल ही वापसी करते थे सब। सुबह सुबह दिन निकलते ही काम में जाने की तैयारी करनी पड़ती थी सबको। मुंह अंधेरे ही खाना बनना शुरू हो जाता। थोड़ा खाना खाकर थोड़ा बांधकर अपने साथ ले जाते थे सब। केवल खेतों में काम काज के दिनों को छोड़कर बाकि के दिन उनके गांव के अधिकांश लोगों के दिन उसी सड़क पर काम करते हुए बीतते थे। सुबह को घर से निकले लोग रात गहराने के बाद आते थे, जाने से पहले एक दूसरे को आवाज लगाते थे, जल्दी आओ देर हो रही है। रमेश के बापू कहते, "रोज देर हो जाती है, ठेकेदार का मुंशी रोज डांटता है। कहता है ऐसे ही रोज देर से आओगे तो मजदूरी काट दूंगा।" डर के मारे कहीं कल से काम को मना न कर दे, सब चुपचाप सुनते थे। किसी के मुंह से कोई आवाज नहीं निकलती थी। रमेश के पापा आमा को करते। आज आमा घर के सामने दिख रही सड़क के बारे में ही सोच रही है। रमेश के बापू बहुत मेहनती थे। सड़क पर एक मजबूत चट्टान को काटने का काम चल रहा था जिसकी जिम्मेदारी रमेश के बापू को दे दी गई थी। रमेश के बापू दिनभर के काम के किस्से रात को आमा को बताया करते। आमा को अच्छा लगता था कि रमेश के बापू की लोग इज्जत करते थे, क्योंकि वे मेहनत से काम किया करते थे। आमा को अतीत से वर्तमान में लाने को एक आवाज आई।

"आमा नमस्कार ! कैसी हो आमा ?"

"अरे तू गोपी है ?"

"हां आमा !"

"कब आया तू घर ?कहां है आजकल तेरी फौज ?कितने दिनों के लिए आया है छुट्टी पर ?"

"आमा कल शाम ही पहुंचा हूं। दूर आसाम में हूं आजकल। अब एक महीने तक आपके पास ही रहूंगा। आमा बस आपकी याद आती है मुझे। सच पूछो तो आपसे ही मिलने आता हूं मैं यहां।" उसने एक मिठाई का डिब्बा आमा के हाथ में थमाया। "लो आमा यह मिठाई है आपके लिए।"

"अच्छा, बेटा! बहुत खूब जीता रह। इस मिठाई की क्या जरूरत थी ?तेरी सूरत देखकर ही खुशी हो गई। रुपया पैसा रोक कर रखना। कहीं मिठाई में ही खर्च न कर देना। इतनी दूर जान हथेली पर रखकर अपनी ड्यूटी करता है इस बात को ध्यान में रखना समझे।" आमा ने गोपी को नसीहत दे दी।

"हां आमा।" गोपी ने कहा और आमा के पास ही बैठ गया। गोपी गांव के कौशल्या का इकलौता बेटा है। बाप नहीं है गोपी का। जब छोटा था तब से आमा की देख रेख में ही रहा है। इसकी मां को काम से ही फुरसत नहीं थी। अनाथ था गोपी। बाप उसका जब बचपन में ही चल बसा था तो उसकी मां कौशल्या ने, आमा को उसकी देख रेख की जिम्मेदारी दे दी थी। गोपी बहुत सीधा लड़का था। जैसा आमा कहती वैसा करता था। आमा की देख रेख में रहने के कारण ही ठीक से पढ़ाई कर फौज में भर्ती हो गया था गोपी। बहुत एहसान हैं आमा के गोपी और उसकी मां पर। जहां लोग अपने बच्चे को ही ठीक से नहीं देख पाते वहीं आमा अपने बच्चों के साथ औरों का भी ध्यान रखतीं थी। पूरे गांव में आमा के सभी पर बहुत एहसान हैं। इसलिए सभी दिल से आमा की इज्जत करते हैं।

आमा की याददास्त अभी तक जस की तस है। एक एक काम की जानकारी है आमा को। दोपहर को चंद्रा आमा को दवा देने आई जो वह अपने मैके से आमा के लिए लाई थी। आमा को दवा देकर बोली, "आमा यह लो दवा। रात सोते समय और सुबह को खाना खाने से पहले शहद मिलाकर चाटनी है यह दवा। इससे आपकी खांसी और सांस की तकलीफ पूरी तरह ठीक हो जाएगी। बस चार दिन में तुम्हारी खांसी पूरी तरह ठीक हो जानी हुई। फिकर मत करना" चंद्रा ने आमा को दवा पकड़ाते हुए कहा। आमा बोली, "मैंने पता नहीं कितनी दवा खाई पर फायदा किसी से नहीं होता। रमेश लाता रहता है दवा। क्या करूं ?अब ठीक नहीं होऊंगी। अब मरने का बखत आ गया है शायद" आमा ने कहा। "अरे दीदी ला मुझे दे दवा आमा भूल जाती हैं दवा को। समय से दवा लेती नहीं, फिर कहेगी मेरी खांसी ठीक नहीं हो रही है।" आमा की बहू ने कहा और आमा के हाथ से दवा लेकर अंदर चली गई। वह थोडी देर में चाय बनाकर लाई। चंद्रा व आमा को चाय देकर अपने और किसी काम पर लग गई।

चंद्रा ने आमा से कहा, आमा आपको मेरी ईजा बहुत याद कर रही थी। "तेरी ईजा याद कर रही थी तो तू उन्हें यहां को लाई होती तब तो कोई बात थी। कैसी है तेरी ईजा ?अभी चल फिर रही है या मेरी तरह एक ही जगह बैठ गई है ?" "आमा, मेरी ईजा भी बहुत ही कमजोर हो गई है। वह भी बस थोड़ा बहुत टहल लेती है। मैंने कहा था कि चलो कुछ दिन मेरे साथ रहना तो ईजा ने मना कर दिया। कह रहीं थी अब वहां आकर कहीं मर गई तो ?मैं चाहती हूं अपनी देहली पर ही दम निकले ?" कह कर चंद्रा रोने लगी। आमा ने उसके सिर पर हाथ फेरा कहा, "पगली मरना तो एक न एक दिन सबको ही है फिर इसमें परेशान होने की क्या बात है ?हमारी कोई अमर काया नहीं है, जो पैदा होता है वह मरता जरूर है।"

"चंद्रा तू तो अपनी मां से मिलकर आ गई परंतु मेरी माधवी मुझसे मिलने नहीं आई। अब तक पूरा साल हो गया है उसकी सूरत देखे। कितने जबाब भेजे पर उसे फुरसत नहीं है। क्या करूं मैं जा नहीं सकती। अब कैसे हो उससे मुलाकात ?" आमा ने कहा।

आमा अपनी लडकी माधवी को अभी बच्ची ही समझती है जबकि माधवी नाती पोते वाली है। अब वह पचपन साल की है। एक लडका अनिल और एक लडकी सविता है। दोनों की शादी को दस वर्ष हो गए हैं। दोनों ही बाल बच्चों वाले हैं। माधवी और उसकी बहू तो अभी गांव में ही रहते हैं जबकि अनिल दिल्ली में किसी अच्छी कंपनी में काम कर रहा है। अनिल के दो बच्चे हैं। दोनों सास बहू ने कुछ जानवर भी पाल रखें हैं। कितना काम होता है घर में दो बच्चों के साथ साथ जानवरों का भी ?अब माधवी आना चाहती है अपनी मां से मिलने परंतु समय नहीं निकाल पाती है।

चंद्रा आमा को दवा देकर चली गई और आमा अपने अतीत में लौट आई। उन्हें आज याद आयी गांव के गजराज की शादी की बात। गजराज की शादी होने वाली थी। उसके पिता गरीब आदमी थे और गजराज के ससुर ने उनसे अपनी बेटी के लिए चार तोले सोने के जेवर की मांग कर दी थी। उसने कह दिया था कि शादी के फेरे तभी होंगे जब उनकी लड़की अपने ससुराल से आए हुए चार तोले सोने के जेवर पहनेगी। गजराज के पिता की औकात एक तोले सोने के बराबर नहीं थी, कहां रह गया चार तोले सोना। यह मांग अचानक ही गजराज के ससुर ने तब रखी थी जब उसने सुना था कि गजराज के परिजन बहुत

गरीब हैं। वैसे तो गजराज का ससुराल भी उन जैसा ही गरीब ही था परन्तु अचानक आई इस मांग से गजराज के पिता परेशान हो गए। चार दिन बाद बारात जानी थी। सारी तैयारी पूरी हो चुकी थी। अब क्या हो ?यह सोचकर गजराज के पिता घबरा गए। उन्होंने कई लोगों से अपनी परेशानी बताई परंतु कोई भी मदद को आगे नहीं आया। जब आमा के कानों तक यह बात पहुंची तो आमा ने गजराज के बाप से कहा था, "परेशान न हों देवर जी। लो मेरा यह चार तोला सोना और जाकर अपने लड़के को ब्याह के ले आओ। काहे को परेसान हो रहे हो, जब बारात घर आ जाएगी, तुम मेरा जेवर मुझे दे देना। "फिर क्या था, गजराज के बापू ने आमा के पांव पकड़ लिए। बोले, "भाभी जी आपकी यह मदद मैं जिंदगी भर नहीं भूलूंगा।" बस गजराज की शादी हो गई। शादी के दूसरे दिन आमा का जेवर आमा के पास आ गया।

शादी के बाद जब गजराज पत्नी को लेकर अपनी ससुराल पहुँचा तो उसे डर लग रहा था कि कहीं उसका ससुर यह न कहे कि उसकी बेटी को शादी के वक्त चढ़ाया गया जेवर कहां है ?उसे इस बात की चिंता हो रही थी। शाम को खाना खाने के बाद उसके ससुर ने पूछ ही लिया, "अरे गजराज तुम शादी वाले दिन जेवर कहां से लाए थे ?" गजराज ने आमा का नाम लेकर सारी बात बता दी। गजराज का ससुर बहुत खुश होकर बोला, "मुझे पता था कि तुम गरीब हो परन्तु मैं तो यह देखना चाह रहा था कि गाँव समाज में तुम्हारी कितनी इज्जत है ?कोई तुम्हें एक दिन के लिए चार तोले सोने के जेवर देता है या नहीं ?गरीब होना कोई बात नहीं बल्कि हमारे समाज में अधिकतर आदमी गरीब ही हैं परन्तु समाज में इज्जत का होना जरूरी है। चार तोले सोने से कोई जिंदगी नहीं कटती। लेकिन चार तोला सोना आपकी इज्जत जता देता है।" तब गजराज को आमा की दरियादिली की बात समझ में आई थी।

आज आमा उदास थी। सुबह से दोपहर हो चुकी थी और आमा चुपचाप अपने आंगन में बैठी शाम होने का इंतजार करने लगी। अचानक आमा को माधवी की जैसी आवाज सुनाई देने लगी। आमा ने लाठी के सहारे थोड़ा खड़े होने की कोशिश की। लाठी हाथ में लेकर थोड़ा आगे बढ़ी वहाँ तक जहाँ से आमा के घर को आने वाली सड़क दिखाई देती है। अब आमा भरी आंखों से अपनी माधवी को देख रही थी। जैसे ही माधवी आमा के पास पहुंची आमा माधवी से लिपटकर रोने लगी। उन्होंने माधवी को सिर से पैरों तक पूरा देखा, फिर उसके सिर पर अपने थके हुए जर्जर हाथ फेरने लगीं। अपनी प्राणों से प्यारी पुत्री को अपने सामने देखकर आमा की आंखों से प्रेम के आंसुओं की बौछार होने लगी। माधवी आमा को सहारा देकर घर तक लाई और उनको एक जगह बैठाकर सामने खुद बैठ गई। आमा अपनी बूढ़ी आंखों से अपने कलेजे के टुकड़े को देखे जा रही थी।

माधवी के आने की बात अब पूरे गाँव में फैल चुकी थी। माधवी का भाई रमेश, रमेश की पत्नी, सामने की चंद्रा, गोपी, गोपी की मां कौशल्या, माधवी की बचपन की सहेली राधा, गजराज की पत्नी दया जिसने भी आमा की माधवी के आने की खबर सुनी वही दौड़ा दौड़ा आमा के घर पहुँच गया। माधवी सभी से मिली। एक दूसरे की कुशलक्षेम, घर गृहस्थी के बारे में पूछने के बाद आमा ने माधवी की लाई मिठाई सभी को खिलाई।

आज दिन भर की उदासी के बाद शाम को आमा के चेहरे पर चमक आ गई थी। अब तो माधवी से आमा की नजर हट ही नहीं रही थी। आमा ने पूछा "माधवी कितने दिनों के लिए आई है ?" माधवी बोली, "ईजा सुबह को ही जाना है। फुरसत किसे है ?कितने काम हैं घर के, बहू से कुछ होता नहीं। उससे अपने दो बच्चों के ही काम पूरे नहीं होते। अभी सब मुझे ही देखना पड़ता है, अनिल व उसके पापा ने घर के दुमंजिले का काम शुरू करवा रखा है। वे तो दोनों की बाहर ही हुए। घर में मुझे ही सब देखना पड़ता है।" "अच्छा सुबह को ही जाना है।" आमा ने फिर मायूसी से कहा। सुनकर माधवी बोली, "हां ईजा, आपके दर्शन हो गए। क्या करूं सब देखना पड़ता है। चाहती तो मैं भी यही थी कि जब आई हूं तो कुछ दिन आपके पास रहूं, परंतु घर में बहू अकेली है। सब देखना पड़ता है।"

रात होने को थी, आमा ने बहू से माधवी के पसन्द का खाना बनाने को कहा और अपने कलेजे के टुकड़े माधवी को निहारने लगी। उसने देखा माधवी के सिर के बाल सफेद हो रहे हैं। आमा बोली, "हाय माधवी तेरे तो सिर के बाल भी सफेद होने लगे ?क्या हो गया तुझे अपना ध्यान क्यों नहीं रखती ?" "हाँ ईजा अब मै पचपन साल की हूँ। बाल ही कब तक रहते काले। नाती पोते वाली हूँ। बस आपके आशीर्वाद से सब ठीक ही हो रहा है। अनिल का लडका पांचवी में आ गया है, बसंती की लड़की को तेरह साल पूरे होने को हैं। अब मैं भी तुम्हारी तरह ही दादी आमा हूं। ईजा अपने पोते की शादी क्यों नहीं कर रही हो ?" कहकर माधवी ने पूछा।

"अरी बेटी मैं तो कब से कह रही हूं पर ये रमेश सुनता ही नहीं मेरी। अब तू आई है तो उसे कह जाना, तेरी बात को टालेगा नहीं। मैं भी चाहती हूँ चिंटू का ब्याह देखकर मरूँ" आमा व्यथित हो गई।

आमा की मनचाही मुराद माधवी के आने से पूरी हो गई थी। इसलिए आमा जब से माधवी आई तब से उसे निहारती हुई बातचीत करती रहीं। आमा ने उसके घरबार की बारीकी से जानकारी ली। उसके बच्चों के बारे में जाना। बहू कैसी है तेरा ध्यान रखती है या नहीं पूछने पर माधवी ने कहा भी, "ईजा आपकी शिक्षा का असर है मुझमें। आप भला तो जग भला। बहू बेटा ही क्या पूरा गांव मेरी बात मानता है। फिर मेरी बहू तो मेरी बेटी ही है वह मुझमें अपनी मां को देखती है।" रात भर आमा माधवी से बातें करती रही। सुबह को बहू ने उठकर माधवी के लिए खाना बनाया। आमा ने अपने सामने बिठाकर माधवी को खाना खिलाया। बचपन में माधवी को आमा की बनाई खीर पसन्द थी यह बात बहू को पता थी। इसलिए बहू ने आमा के कहे बगैर ही आज खीर बनाई थी। खाना खिलाने के बाद अपने बक्से का ताला खोलकर उसमें से एक पांच सौ का नोट निकालकर आमा ने माधवी को जैसे ही देना चाहा, बाहर से आमा को आवाज लगी। बाहर सुरेश खड़ा था। उसने आमा से कहा, "आमा मुझे एक हजार रुपए की जरूरत है। मेरा बच्चा बीमार है उसे डाक्टर को दिखाना है। मेरे पास एक रुपया भी नहीं है। मैं गाँव में भी कई लोगों के पास गया पर किसी के पास रूपये मिले नहीं। बच्चा बुखार के मारे रात भर सोया नहीं है।" आमा ने उसे भीतर बुलाया बोली, "बेटा मेरे पास तो केवल पाँच सौ ही हैं वो भी मैं माधवी को दे रही हूं। वह अपनी ससुराल को जाने वाली है। आज तू कहीं किसी और से इंतजाम कर ले।" "नहीं ईजा। कितनी उम्मीद से यह आपके पास आया होगा। बेचारे का बच्चा बीमार है। ले पांच सौ ईजा के पास हैं और पांच सौ मैं दे रही हूँ तू जा अपने लडके को दिखा ला।" माधवी ने सुरेश को रुपये देते हुए कहा। आमा उसे टकटकी लगाकर देखती रही। आमा ने माधवी को गले लगाकर गदगद होकर कहा, "शाबाश बेटी ऐसे ही सबकी मदद को आगे ही रहना।" आमा को माधवी को देखकर ऐसा लगा जैसे माधवी किसी बड़ी परीक्षा में पास हुई हो। आमा की शिक्षा ही ऐसी ही है बस जितना हो सके अपने से किसी का भी भला करते रहो।

अब माधवी अपने घर को रवाना हो रही है। आमा वहीं रेंगकर दरवाजे तक पहुँच चुकी है। वह अपनी बेजान हो रही काया को ढोती हुई अपनी बूढी आँखों में आँसू लिए माधवी से अपना व अपने बच्चों का खयाल रखने को कह रही है। माधवी ने अपनी ईजा का हाथ पकड़कर उसे एक लाठी पकड़वाई और घर के बाहर वहाँ पर खड़ी कर गई जहाँ से आमा माधवी को दूर तक जाते देखती रहेगी। माधवी ज्यों ज्यों आगे बढ़ती पीछे को अपनी मां को देखती जाती। दोनों माँ व बेटी के आंखों से आँसू रुक नहीं रहे हैं। आमा के आंखों से माधवी ओझल हो गई।

आज आमा की माधवी से मिलने की आस पूरी हो गई जिसके बारे में आमा दिनरात सोचती रहती थी। अब माधवी अपने घर को रवाना हो रही है। आमा वही रेंगकर दरवाजे तक पहुंच चुकी है। वह अपनी बेजान हो रही काया को ढोती हुई अपनी बूढी आंखों में आंसू लिए माधवी से अपना व अपने बच्चों का खयाल रखने को कह रही है। माधवी ने अपनी ईजा का हाथ पकडकर उसे एक लाठी पकड़वाई और घर के बाहर वहां पर खड़ी कर गई जहां से आमा माधवी को दूर तक जाते देखती रहेगी। माधवी ज्यों ज्यों आगे बढ़ती पीछे को अपनी मां को देखती जाती। दोनों मां व बेटी के आंखों से आंसू रुक नहीं रहे हैं। आमा के आंखों से माधवी ओझल हो गई। आज आमा की माधवी से मिलने की आस पूरी हो गई जिसके बारे में आमा दिन-रात सोचती रहती थी।

सम्प्रति: *श्री दुर्गादत्त जोशी, उत्तराखण्ड की आंचलिक कहानियों की लेखक हैं। श्री दुर्गा दत्त जोशी निदेशक परियोजनाएं कार्यालय में तैनात श्री दिनेश भारद्वाज, सहायक अभियन्ता के पिता जी हैं।*

कोई क्या जाने

फिजाओं में खुशबुओं की मिठास, कहाँ से आयी कोई क्या जाने
पसीने से सींचा है किसने दिन-रात, कौन है बागबां कोई क्या जाने।
ऊँची इमारत चमकदार कंगूरे, चौंधिया रही हैं आँखें
ढो रही कंधो पर बोझ कितना, दफन जमीं में ईंट कोई क्या जाने।

हंस कर जी रहा है कोई तो, मतलब इसका ये बिल्कुल नहीं
दिल भरा नहीं है घावों से, नश्तर चुभे कितने कोई क्या जाने।

आज रोशनी में नहाया हुआ है, तो हैरान है दुनिया वाले
रातें अंधेरी कितनी थीं, जो वो गुजार के आया कोई क्या जाने।

फिरते भेड़िये शहर की गलियों में नोंचने को तैयार
भेजता है कैसे घर से बाहर, बेटी को बाप कोई क्या जाने।

(देवेन्द्र कुमार गर्ग)
महाप्रबन्धक (वि. एवं यां.),
किशाऊ परियोजना, डाकपत्थर।

गढ़वालियों का महत्वपूर्ण त्यौहार है जब बात त्यौहारों की हो तो माँ-बाप और भाई बहिनों के साथ बिताये एक त्यौहार की याद आना लाजमी है। क्योंकि तब त्यौहार का मतलब खुशी, अपनेपन और एक दूसरे के लिए सबके प्रेम से था। दीपावली सबसे महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है जिसे गढ़वाल में बड़ी बग्वाल कहा जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली के ठीक ग्यारहवें दिन के बाद एक और दीपावली मनाई जाती है। इसी को **"ईगास बग्वाल"** कहाँ जाता है।

यह ऐसा समय होता है जब पहाड़ धन-धान्य से परिपूर्ण होता है। बाड़े-सग्वाड़ों में तरह-तरह की सब्जियां होती है। इस दिन को घर के सभी कोठरों को नए अनाजों से भरने का शुभ दिन भी माना जाता है। इस अवसर पर नई ठेकी और पर्या (मक्खन बनाने वाला बर्तन) के शुभारम्भ की प्रथा भी है। ईगास बग्वाल के दिन रक्षा-बन्धन के धागों को हाथ से तोड़कर गाय की पूंछ पर बांधने का चलन था। बैलों के सींगो पर तेल लगाकर, गले में माला पहनाते व उनकी पूजा करते है।

एक किंवदन्ती के अनुसार ब्रहमा ने जब संसार की रचना की तो मनुष्य ने पूछा की मैं धरती पर कैसे जीवन यापन करुँगा ? तब ब्रह्मा ने शेर को बुलाया व हल जोतने को कहा किन्तु शेर ने मना कर दिया। इसी प्रकार कई जानवरों को पूछा तो सबने मना कर दिया। अंत में बैल तैयार हुआ तब ब्रहमा ने बैल को वरदान दिया कि धरती पर सभी प्राणी तुम्हें पूजेंगे, तुम्हें दावत देंगे, तुम्हारी मालिश करेंगे।

दीपावली के दिन जैसा ही इस दिन भी पूरी पकोड़े बनाये जाते थे। घर के पालतू जानवरों के लिए विशेषकर गोवंश के लिए झंगोरे को पकाकर उसमे नमक डालकर उसके गोले बनाकर **पिण्डा** बनाया जाता था। पिण्डे के ऊपर फूल रखकर गोवंश की पूजा करके पिण्डा खिलाया जाता था। पिण्डे के साथ एक पत्ते में हलवा, पूरी, पकोड़े भी गोशाला ले जाते है। इसे **ग्वाल ढिंडी** कहा जाता है। जब गाय-बैल पिण्डा खा लेते हैं तब उनको चराने वाले बच्चो को पुरस्कार स्वरूप उस ग्वाल ढिंडी को दिया जाता है।

लोकमान्यताओं के अनुसार गढ़वाल में भगवान राम के अयोध्या लौटने की खबर 11 दिन बाद मिली थी, इसलिए यहाँ ग्यारह दिन बाद दीवाली मनाई जाती है। एक और मान्यतानुसार दिवाली के समय गढ़वाल के वीर माधो सिंह भंडारी के नेतृत्व में गढ़वाल की सेना ने दापाघाट, तिब्बत का युद्ध जीतकर विजय प्राप्त की थी और दिवाली के ठीक ग्यारहवें दिन गढवाल सेना अपने घर पहुंची थी। युद्ध जीतने और सैनिकों के घर पहुंचने की खुशी में उस समय दिवाली मनाई गयी थी तभी ये यह परम्परा चल पड़ी। रात का इंतजार होता था भैलो खेलने के लिए। इस दिन भैलो खेलने का विशेष महत्व था। भैलो का पारंपरिक गीत कुछ इस प्रकार है-

भैलो रे भैलो, खेला रे भैलो
बग्वाल की राति खेला भैलो
बग्वाल की राति लछमी को बास
जगमग भैलो की हर जगा सुवास
स्वाला पकोडों की हुई च रस्याल
सबकु ऐनइ नी रंगमती बग्वाल
नच रे नाचा खेला रे भैलो
अगनी की पूजा, मन करा उजालो
भैलो रे भैलो।

इसको बनाने के लिए सबसे पहले भ्यूंल (भीमल की छाल) या जंगली बेलें ली जाती है जो रस्सी का काम करती, उसके एक छोर पर चीड़ की लीसायुक्त लकड़ी और साथी ही भीमल के क्याड़े (बारीक सूखी लकड़ी) बांधकर उसे जलाया जाता है जिसे भैलो कहते हैं। परम्परानुसार बग्वाल के कई दिन पहले गांव के लोग लकड़ी लेने ढोल-बाजों के साथ जंगल जाते हैं और सभी चीजों को गांव के पंचायती चौक में एकत्र करते हैं।

हमने बचपन में देखा था कि किस तरह जनसमूह सार्वजनिक स्थान या पास के समतल खेतों में एकत्रित होकर ढोल-दमाऊं के साथ नाचते और भैलो खेलते है। सभी लोग बारी बारी से भैलो को घुमाते थे और साथ के लोग उसके ऊपर से उछलते थे। फिर सभी अपना अपना भैलो लेकर खुले खेतों में घुमाते हुए खेला करते थे। इस तरह अनेक मुद्राएं बनाई जाती है, नृत्य किया जाता है और तरह-तरह के करतब दिखाए जाते हैं। भैलो खेलते हुए कुछ गीत गाने, व्यंग्य-मजाक करने की परम्परा भी है। यह सिर्फ हास्य विनोद के लिए किया जाता है। जैसे अगल-बगल या पास के गांव वालो को रावण की सेना और खुद को राम की सेना मानते हुए चुटकियां ली जाती हैं। कई मनोरंजक तुकबंदियां की जाती हैं। जैसे-फलां गौं वाला रावण की सेना, हम छना राम की सेना। निकटवर्ती गांवो के लोगों को गीतों के माध्यम से छेड़ा जाता है। नए-नए त्वरित गीत तैयार होते है। जब हम दूर-दराज दूसरे गांव में देखते तो अंधेरे में जुगनुओं की बारात जैसी लगती। किन्तु अब यह दृश्य दुर्लभ होता जा रहा है। धीरे-धीरे यह सांस्कृतिक परम्परा लुप्त होती जा रही है। इस परम्परा को बचाने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी की है जो इस दौर में इसे भूलते जा रही है। ऐसे में अपनी संस्कृति और परम्पराओं को संजोए रखने के लिए हमें कोई अहम कदम उठाने की जरूरत है ताकि पर्वतीय क्षेत्र की अपनी अलग पहचान कायम रह सके। चलिए इस बार से अपने गांव चलें भैलो खेलने और उन जुगनुओं की बारात संग शामिल होकर बिखरता गढ़वाल फिर समेट लें, फिर एक बार आबाद कर अपने गांव को मिलकर उसकी अपनी पहचान दिलाएं, चलिए त्यौहार तो कम से कम अपने-अपनों के बीच मनायें।

पूजा बिष्ट
कम्प्यूटर ऑपरेटर, जनसम्पर्क कार्यालय

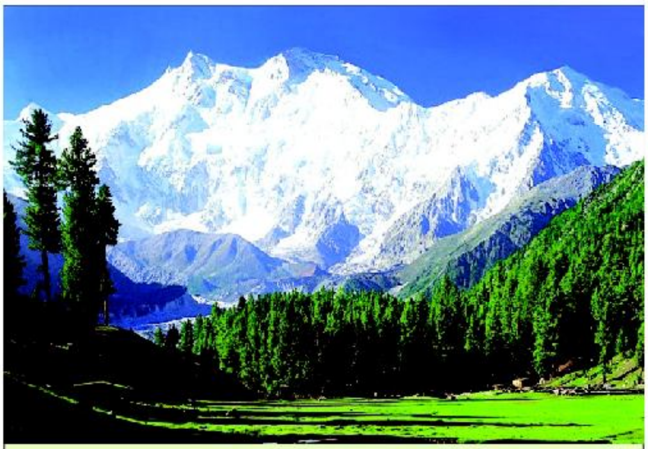

म्यारू उत्तराखण्ड

म्यारू उत्तराखण्ड की बात ही कुछ अनोखी चा।
प्रकृति की खुछली मां एक सहजती पहेली चा॥
यु उत्तराखण्ड म्यारू स्वर्गा को धाम चा।
धीमी धीमी मन्द हवा मयलु सी घाम चा॥
म्यारू उत्तराखण्ड की बात.....

शुद्ध हवा शुद्ध पानी शुद्धता कु मेल चा।
हैरी भैरी डांडी कांठी और गदनु को खेल चा॥
प्यार चा मिलाप चा मज़ाक क कि होड़ चा।
देवतों की ये भूमि मा मनखियू कु वास चा॥
म्यारू उत्तराखण्ड की बात.....

वीर यक जवान छन वीर यक किसान छन
वीरों की भूमि यख गबर सिंह जन वीर महान छन॥
म्यारा उत्तराखण्ड का जवान चा
वीरता भरी ये भूमि मा युकि गाथा भी महान चा॥
म्यारू उत्तराखण्ड की बात.....

एकता, विश्वास और सभ्यता म्यारू उत्तराखण्ड कु मान चा
म्यारू प्यारू उत्तराखण्ड एक फूल सी समान चा
तीलू रौतेली, रामी बौराण जन मातृशक्ति अभी भी महान छन
म्यारा उत्तराखण्ड मा बाँद किशाण छन
म्यारू उत्तराखण्ड की बात.....

(नरेन्द्र सिंह बिष्ट)
टीजी-II, विद्युत गृह चीला

अदरक

अदरक भारतीय रसोई का एक आवश्यक अंग है। खासकर सर्दियों में तो लगभग हर सब्जी या दाल में इसका उपयोग होता ही होता है। इसके औषधीय गुणों को देखते हुए प्राचीनकाल से ही इसका महत्व भारतीय रसोई में बना हुआ है। आयुर्वेद में भी इसके महत्व का वर्णन हमें मिलता है। एक भूमिगत रूपान्तरित तना है जो मिट्टी के अन्दर क्षैतिज बढ़ता है। इसमें काफी मात्रा में भोज्य पदार्थ संचित रहता है जिसके कारण यह फूलकर मोटा हो जाता है। वैज्ञानिक भाषा में बात करें तो अदरक जिंजीबरेसी कुल का पौधा है। यह अधिकतर उष्ण अथवा शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। अदरक मूल रूप से दक्षिण एशिया का पौधा माना जाता है। भारत में यह उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, बिहार, बंगाल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में अधिक उपजाया जाता है। अदरक का कोई बीज नहीं होता, इसके कंद के ही छोटे-छोटे टुकड़े जमीन में गाड़ दिए जाते हैं जो कि अलग अलग पौधे के रूप में उगते हैं।

अदरक का उपयोग

अदरक का इस्तेमाल अधिकतर भोजन को बनाने के दौरान किया जाता है। भोजन पकाते समय इसे टुकड़ों में या फिर पीसकर या कद्दूकस करके डाला जाता है। इसके अतिरिक्त इसे मसाले, पाउडर, जूस, अचार, सोंठ आदि विभिन्न रूपों में भी प्रयोग किया जाता है। अदरक में हमें स्वस्थ रखने की जबरदस्त शक्ति होती है। इसीलिए प्राचीन काल से ही यह भारतियों के भोजन और आयुर्वेद का हिस्सा रहा है। भारत में लगभग पांच हज़ार वर्ष पूर्व भी अदरक में पाए जाने वाले गुणों के विषय में जानकारी होने के प्रमाण मिलते हैं। सर्दियों में खांसी-जुकाम की परेशानी में तो यह रामबाण औषधि है। साथ ही यह अरुचि और हृदय रोगों में भी फायदेमंद होता है।इसके अलावा भी कई और बीमारियों में भी अदरक फायदेमंद माना जाता है। अदरक में बहुत सारे विटामिन्स के साथ-साथ मैंगनीज़ और कॉपर भी पाए जाते हैं जो हमारे शरीर को सुचारु रूप से चलाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर हम कहें कि अदरक कई सारे गुणों की खान है तो अतिशियोक्ति न होगी।

अदरक का प्रयोग बेहद आसान और फायदों से भरपूर है। इसके अचूक गुण हमें स्वस्थ रखने के साथ साथ हमें कई बिमारियों से भी बचाते हैं। अदरक के विभिन्न उपयोग इस प्रकार है :-

1. अदरक को सर्दी से बचाने में सबसे अधिक कारगर माना जाता है। यह सर्दी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने के साथ-साथ सर्दी फिर से आपको परेशान न कर पाए, यह भी पक्का करता है।
2. अदरक में सूजन को कम करने की शक्ति अत्यधिक मात्रा में होती है और यह उन लोगों के लिए वरदान की तरह है जो जोड़ों के दर्द और सूजन से परेशान हैं। एक अध्ययन के मुताबिक जो लोग नियमित तौर पर अदरक के रस का उपयोग करते हैं उन्हें जोड़ों में सूजन और दर्द पैदा करने वाली बीमारियां परेशान नहीं करतीं।
3. अदरक में गठिया रोग को भी ठीक करने की क्षमता होती है। इसके सूजन को खत्म करने वाले गुण गठिया और थायराईड से ग्रस्त मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।
4. सभी प्रकार के दर्द से राहत देने की इसकी क्षमता इसे बहुत ही खास बनाती है। चाहे आपके दांत में दर्द हो या सिर में अदरक के रस का प्रयोग बहुत असरकारक होता है। यह माइग्रेन से बचने में भी आपकी भरपूर मदद करता है।
5. अदरक के रस में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में ताजे रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के साथ साथ रक्त को साफ करने में मददगार होते हैं।
6. पाचन संबंधी समस्या में भी अदरक बहुत फायदेमंद होता है। इसका रस पेट में पड़े हुए खाने को निकास द्वार की तरफ धकेलता है। अदरक का यह चमत्कारी गुण न केवल पाचन और गैस बल्कि सभी तरह के पेट दर्द से भी निजात दिलाता है।
7. अदरक में खून को पतला करने का नायाब गुण होता है और इसी वजह से यह ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी में तुरंत लाभ के लिए जाना जाता है।
8. अदरक के रस के नियमित इस्तेमाल से कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। यह रक्त के थक्कों को जमने नहीं देता और खून के प्रवाह को बढ़ाता है और इस प्रकार हृदयाघात की आशंका से आपको बचाए रखता है।
9. घने, चमकदार और रूसी रहित बालों के लिए अदरक के रस का नियमित उपयोग अत्यधिक लाभदायक होता है।
10. अदरक में कैंसर जैसी भयानक बीमारी से शरीर को बचाए रखने का गुण होता है।
11. त्वचा से जुड़ी हुई कई बिमारियों में भी अदरक के नियमित प्रयोग से फायदा होता है।

विमल डबराल

जन सम्पर्क अधिकारी

नई तकनीक से बांध की सफाई, बढ़ेगा उत्पादन

नीदरलैंड व पोलैंड के वैज्ञानिक कर रहे डाकपत्थर बैराज में जमा सिल्ट की सफाई

जागरण संवाददाता, विकासनगर : जौनसार-बावर के डाकपत्थर बैराज में बांध की नई तकनीक से साफ-सफाई करने की विधि बताने को विदेश से वैज्ञानिक उत्तराखंड पहुंचे हैं। नीदरलैंड व पोलैंड से आए वैज्ञानिकों ने बिना पावर हाउस को बंद किए आधुनिक मशीन व क्रेन के जरिए डैम में जमा सिल्ट को साफ करने की तकनीक बताई।

नया प्रयोग

- नीदरलैंड की एक कंपनी दे रही है फ्री डेमो
- उत्तराखंड में इंजीनियरों को बांध की सफाई की बता रहे तकनीक

विदेश से आए वैज्ञानिक 15 से 20 दिन तक डाकपत्थर बैराज में सिल्ट साफ करने की नई तकनीक का फ्री डेमो दे रहे हैं। इसके तहत यूजेवीएनएल के इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। **एमएस अधिकारी,** अधिशासी अभियंता सिविल, जल विद्युत निगम

की साफ-सफाई के लिए विदेश से आए वैज्ञानिक नया प्रयोग कर रहे हैं। नीदरलैंड ...

उत्तराखंड में डैम की सफाई के लिए पावर हाउस को बंद किया जाता है और बैराज में जमा पानी को गेट खोलने से खाली ... डैम में जमा सिल्ट

पर विदेश से आए वैज्ञानिकों ने डाकपत्थर बैराज में क्लोजर के बिना आधुनिक मशीनों व क्रेन के जरिए नई तकनीक से डैम में जमा सिल्ट को साफ करने की सरल विधि बताई। विदेश के वैज्ञानिकों ने डैम में जमा सिल्ट की सफाई के लिए मशीन के जरिए बैराज में पाइपों का जाल बिछाया है। जिससे पानी को खाली करने के बजाए पावर हाउस के चलने पर डैम में जमा सिल्ट की सफाई की जा सके। बताया जा रहा है कि विदेशी वैज्ञानिकों की इस नई तकनीक से उत्तराखंड में बने डैमों ... आसानी से की जा सकेगी।

यूजेवीएन में मनी विश्वकर्मा जयंती

यूजेवीएन लि. के मुख्यालय उज्जवल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष ...ओं के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती धूमधाम से मनायी गई। ...र पर परंपरानुसार भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया गया। साथ ही यंत्रों एवं औजारों को भी पूजा गया। प्रबन्ध निदेशक एसएन वर्मा ने ... देते हुए बताया कि भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्माजी ... माना है साथ ही उन्हें ब्रह्मांड का ... ताओं एवं शिल्पि...

यूजेवीएन ने चलाया स्वच्छता अभियान

- निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने श्रमदान कर यमुना कालोनी परिसर में की सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। यूजेवीएन लिमिटेड ने शुक्रवार को निगम के प्रबन्ध निदेशक एसएन वर्मा के नेतृत्व में एक ...वसीय स्वच्छता अभियान यमुना कॉलोनी देहरादून में चलाया। निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ...ना कॉलोनी परिसर में स्वच्छता को ... श्रमदान कर कालोनी में सफाई कार्य किया।

इस स्वच्छता अभियान में निगम ...धिकारियों व कर्मचारियों ने ...नी के विभिन्न आवासीय ..., मैदान, सड़कों व नाले आदि ... को साफ कर कालोनी को स्वच्छ किया। इस स्वच्छता अभियान यूजेवीएन लेडीज क्लब वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से चलाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक एसएन वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता आज हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ...

नवनिर्माण एवं विकास करना है ... ने पॉलिथीन के प्रयोग ... कम करने एवं सि... का प्रयोग तो बिल्... का आह्वान किया। यमुना कॉलोनी के वि... लिए स्वच्छता मिशन ... रूप से जुड़ने वाले निग...

का प्रण लिया गया। इस अवसर पर निगम के निदेशक परिचालन पुरुषोत्तम सिंह, निदेशक मानव संसाधन पंकज कुमार, अधिशासी निदेशक सुरेंद्र कुमार, महाप्रबन्धक विवेक आत्रेय, हरप्रसाद, राजेन्द्र सिंह, सीपी दिनकर, उप महाप्र... आशीष जैन, जन ... विमल ...

बेहतर काम पर दी प्रोत्साहन राशि

देहरादून | मुख्य संवाददाता

...ड जल विद्युत निगम ने सरकार ...0.82 करोड़ रुपये सालाना ... के रूप में जमा कराए। सचिव ...राधिका झा ने कहा कि इस बार ...वीएनएल ने रिकॉर्ड बिजली ...ादन किया है। ऐसे में इस रिकॉर्ड ...ादन में अहम भूमिका निभाने वाले ...र्मचारियों को ही दीवाली बोनस की ...तगह प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। जो आगे भी जारी रहेगी।

निगम मुख्यालय में यूजेवीएनएल का स्थापना दिवस सुबह से ही मनाना शुरू कर दिया गया। सुबह प्रदर्शनी ... के साथ ही मेले का भी आयोजन ...

... उत्तराखंड जल विद्युत निगम मुख्यालय में सोमवार को कार्यक्रम हुआ। • हिन्दु...

उत्तराखंड जल विद्युत निगम ... बिजली उत्पादन का काम जल्द पूरा कर बिजली उत्पादन के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाया जाए। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री आवास में सीएम त्रिवेंद्र रावत को 10.82 करोड़ के लाभांश का चेक भी ... इस अवसर पर सचिव ... ...

कार्यक्रमों से बांधा स...

स्थापना दिवस के मौके पर ... यूजेवीएनएल मुख्यालय में ... सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तु... शाम हास्य कवि सुरेंद्र श... फौजदार, विराग सैन, श... गोयल की रचनाओं ने ... शर्मा, प्रताप फौ...

यूजेवीएनएल कर्मचारियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

...ाई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। यूजेवीएनएल प्रबंध निदेशक एसएन वर्मा की अगुवाई निगम के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने शुक्रवार को यमुना कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कॉलोनी परिसर, मैदान, सड़कों एवं नाले आदि के आसपास फैली गंदगी साफ कर 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' का संदेश दिया।

इस मौके पर प्रबंध निदेशक वर्मा ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत अभियान को सार्थक बनाना ही लक्ष्य है। प्रबंध निदेशक ने पॉलिथीन के प्रयोग को भी कम से कम करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का आह्वान किया। स्वच्छता अभियान में निदेशक परिचालन पुरुषोत्तम सिंह, निदेशक मानव संसाधन पंकज कुमार, अधिशासी निदेशक सुरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक विवेक आत्रेय, हरप्रसाद, राजेंद्र सिंह, सीपी दिनकर, उप महाप्रबंधक आशीष जैन के अलावा यूजेवीएनएल लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से डॉ. अमृता वर्मा, ज्योति शर्मा, निरूपमा मिश्रा, किरण चौधरी, हेमा ...

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में कौलागढ़ से जनचेतना यात्रा निकालतीं टिहरी की सांसद राज्य लक्ष्मी शाह और अन्य कार्यकर्ता। अमर उजाला

कौलागढ़ में पॉलिथीन के खिलाफ निकाली जनचेतना यात्रा

देहरादून। क्षेत्र को पॉलिथीन मुक्त बनाने के अभियान के तहत शुक्रवार को वार्ड 31 कौलागढ़ में जनचेतना यात्रा निकाली गई। इस दौरान सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह ने सभी लोगों से पॉलिथीन छोड़ने का आह्वान किया। कैंट विधायक हरबंश कपूर ने स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए पॉलिथीन छोड़ने का आह्वान किया। अभियान में भाजपा महामंत्री संगठन अजय कुमार, मंडल अध्यक्ष उदयसिंह, कुलदीप विनायक, अमित ...

तिलोथ विद्युत गृह से हुआ रिकार्ड उत्पाद...

देहरादून। यूजेवीएन लि. की 90 मेगावाट की मनेरी भाली प्रथम जल विद्युत परियोजना के तिलोथ विद्युत गृह से वि... वर्ष 2019-20 हेतु निर्धारित वार्षिक लक्ष्य को समय से पूर्व ही प्राप्त कर लिया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा वित्तीय वर्ष हेतु दिए गए 300 मिलियन यूनिट के वार्षिक लक्ष्य को तिलोथ विद्युत गृह द्वारा विगत सात दिसम्बर ... 300.1214 मिलियन यूनिट उत्पादन कर प्राप्त कर लिया गया है। समय से पहले उत्पादन लक्ष्य पूर्ण होने पर ति... विद्युत गृह के साथ ही निगम के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों में प्रसन्नता का माहौल है।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर तिलोथ विद्युत गृह की उपलब्धियों एवं कार्यकुशलता ... देखते हुए वर्ष 2018 का बेस्ट परफॉर्मिंग प्रोजेक्ट अवार्ड भी सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष, यूजेवीएन लि. द्वारा दिया जा ... है। वर्तमान में इस परियोजना की दो मशीनें उत्पादनरत हैं तथा एक मशीन का नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार किया जा ... है। सीमांत जनपद उत्तरकाशी में भगीरथी नदी पर स्थित मनेरी भाली प्रथम चरण परियोजना का तिलोथ विद्युत गृह 1984 में परिचालन शुरू हुआ था। इससे पूर्व भी तिलोथ विद्युतगृह द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 एवं 2018-1... केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा निर्धारित क्रमशः 376 एवं 390 मिलियन यूनिट उत्पादन लक्ष्य भी इस परियोजना ... 2018 एवं 2019 के फरवरी माह में ही प्राप्त कर लिया गया था। निगम प्रबंधन ने रिकॉर्ड उत्पादन की इस उपलब्धि ... श्रेय कार्मिकों को देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार से लगन एवं समर्पण से कार्य करने की अपेक्षा की है।

यूजेवीएन ने मुख्यमंत्री को सौंपा 10 करोड़ का चेक

तिलोथ विद्युत गृह मनेरी भाली प्रथम सर्वश्रेष्ठ परियोजना

चीला विद्युत गृह का उच्चीकरण होगा

देहरादून। 144 मेगावाट क्षमता के चीला जल विद्युत गृह के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं उच्चीकरण के लिए बीएचईएल के साथ करार किया गया है।

तीन जल विद्युत परियोजनाओं की डीपीआर को मिली मंजूरी

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड ने बोर्ड मीटिंग में कुमाऊं के पिथौरागढ़ के लिए तीन परियोजनाओं की डीपीआर, कर्मियों के संशोधित मकान भत्ता समेत कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

यूजेवीएनएल की मंगलवार को जीएमएस रोड स्थित मुख्यालय में ऊर्जा ...चिव राधिका झा की अध्यक्षता में ...वीं बोर्ड मीटिंग हुई। इस मौके पर ...थौरागढ़ के मुनस्यारी तहसील में ...ी गंगा की सहायक जिम्बा गाड़ पर ...मेगावाट, पैना गाड़ पर चार मेगावाट ...योजना की डीपीआर को मंजूरी ...वहीं धारचूला में धौलीगंगा की ...क कच्चौटी गाड़ पर चार मेगावाट ...यु परियोजना को मंजूरी दी है। ...रिकताएं पूरी होने के बाद निर्माण ...गा।

देहरादून में यमुना नदी पर स्थित ...गावाट की व्यासी परियोजना की ...सा की। इसके अलावा निगम ...के लिए संशोधित किराया भत्ता, ...और अवर अभियंताओं को ग्रेड पे देने पर भी सहमति ...र्थिक ...दौरान

बैठक

- यूजेवीएनएल की ऊर्जा सचिव राधिका झा की अध्यक्षता में 94वीं बोर्ड मीटिंग
- जल विद्युत निगम लिमिटेड की बोर्ड मीटिंग में निदेशक मंडल ने दी मंजूरी
- सीमांत पिथौरागढ़ के मुनस्यारी में दो और धारचूला में एक जल विद्युत परियोजना बनेगी

स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद जरूरी : वर्मा

ढकरानी जल विद्युत परियोजना परिसर में निर्मित मनोरंजन सदन का उद्घाटन करते अतिथि।

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून। यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ... ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। उन्होंने कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए खेलकूद एवं अन्य विविध गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। ... जल विद्युत परियोजना परिसर में ... के मनोरंजन सदन का उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु ही इस मनोरंजन सदन की स्थापना की गई है। ...

यूजेवीएनएल ने यमुना कालोनी में सफाई की

देहरादून | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) की ओर से यमुना कालोनी में सफाई अभियान चलाया गया। अफसरों और कर्मचारियों ने स्वच्छता आज के समय में बहुत जरूरी है। पीएम नरेंद्र मोदी का मकसद भी स्वच्छता को आगे बढ़ाना है।

इस दौरान निगम के निदेशक परिचालन पुरुषोत्तम सिंह, निदेशक मानव संसाधन पंकज कुमार, अधिशासी ...

यूजेवीएनएल ने किया 'कर्मवीरों' को सम्मानित

स्थापना दिवस पर श्रेष्ठ विद्युत गृहों और सराहनीय कार्य करने वाले कर्मचारी किए पुरस्कृत, मेला व कवि सम्मेलन भी आयोजित

इनको किया सम्मानित

हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

मुख्यमंत्री को सौंपा दस करोड़ का चेक

चीला पावर हाउस पर खर्च होंगे 212 करोड़

देहरादून। उत्तराखंड जल विद्युत निगम (यूजेवीएनएल) 144 मेगावाट की चीला जलविद्युत गृह के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और उच्चीकरण करेगा। इसके लिए यूजेवीएनएल ने भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) से अनुबंध किया है। विद्युत गृह के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और उच्चीकरण में लगभग 212 करोड़ का अनुमान है। 54 माह में सभी कार्यों को पूरा ...

दून में जून में आयोजित होगा अन्तर्राष्ट्रीय हरित ऊर्जा सम्मेलन

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूजेवीएन ने चलाया अभियान

दून स्थित यमुना कालोनी में चलाया अभियान

कालोनीवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया

यमुना कालोनी में स्वच्छता अभियान के तहत कालोनी की सफाई करते यूजेवीएन के अधिकारी।

यमुना कॉलोनी में चलाया स्वच्छता अभियान

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड की ओर से यमुना कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही कॉलोनीवासियों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का आह्वान किया गया। शुक्रवार को यूजेवीएनएल के प्रबंध निदेशक ... के नेतृत्व में अधिकारियों कर्मियों और लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन ने यमुना कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कॉलोनी के आवासीय परिसर, मैदान, सड़कों, नालियों में जमा पॉलीथिन, प्लास्टिक, कूड़ा इकट्ठा किया गया।

चीला जल विद्युतगृह के नवीनीकरण व उच्चीकरण को किया अनुबंध

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। यूजेवीएन लिमिटेड ने पौड़ी गढ़वाल में स्थित 144 मेगावाट क्षमता के चीला जल विद्युतगृह के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं उच्चीकरण (आर.एम.यू.) के कार्यों को लेकर बीएचईएल (भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) के साथ अनुबन्ध हस्ताक्षरित कर लिया गया है।

इस अनुबन्ध के अनुसार आर.एम.यू. के कार्यों में लगभग रू. 212 करोड़ का व्यय होगा। उक्त कार्यों को 54 माह में पूर्ण करना होगा। आरएमयू के कार्यों के पश्चात् मशीनों की क्षमता 144 मेगावाट से बढ़कर 156 मेगावाट हो जायेगी। इससे विद्युतगृह के उत्पादन में लगभग 250 मिलियन यूनिट वार्षिक वृद्धि होगी तथा विद्युतगृह की परिचालन क्षमता में लगभग 30-35 वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है। चीला विद्युतगृह का निर्माण पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश राज्य के अंतर्गत वर्ष 1980 में हुआ था। यह परियोजना उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित है और हरिद्वार जिले से लगभग 9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अनुबन्ध पर यूजेवीएन लिमिटेड की ओर से उप महाप्रबन्धक (एस.यू.-गंगा वैली) राजीव कुमार ... बीएचईएल की ओर से महाप्रबन्धक (मार्केटिंग) पंकज रस्तोगी हस्ताक्षर किए। इस अवसर यूजेवीएन लिमिटेड के निदेशक परिचालन पुरुषोत्तम सिंह, महाप्रबन्धक (गंगा वैली) ... कुलश्रेष्ठ, उपमहाप्रबन्धक ... कुमार चौहान उपस्थित रहे।

UJVN Ltd.
Plant wise Generation January 2019 to December 2019

Name of Power House	Chibro	Khodri	Dhakrani	Dhalipur	Kulhal	Tiloth	MB-II	Chilla	Ramganga	Khatima	Pathri	M.Pur	Galogi	Dunao	Pilangad	Urgam	Total
Month & Capacity(MW)	240	120	33.75	51	30	90	304	144	198	41.4	20.4	9.3	3.5	1.5	2.25	3	1292.100
January 2019	29.18	14.29	6.02	9.05	7.39	11.33	36.48	51.64	66.95	12.73	10.23	5.47	0.69	0.28	0.99	0.15	262.87
February 2019	50.16	23.84	10.14	14.66	10.29	20.24	39.24	48.55	6.96	14.71	8.50	4.55	0.62	0.27	0.98	0.54	254.25
March 2019	60.76	29.37	12.55	18.04	12.11	27.18	60.20	52.67	30.41	17.00	11.01	5.27	0.61	0.29	0.53	0.80	338.79
April 2019	92.06	40.97	15.64	22.31	14.18	44.82	105.23	55.58	4.75	12.41	11.05	5.10	0.52	0.22	0.49	1.05	426.38
May 2019	82.86	39.05	15.10	21.78	13.93	45.81	156.64	74.74	0.48	23.83	11.93	4.98	0.48	0.01	0.42	0.99	493.03
June 2019	100.30	44.45	15.32	21.78	16.76	44.85	198.07	70.24	56.04	22.86	12.05	4.74	0.42	0.00	0.20	1.11	609.20
July 2019	139.08	58.18	20.28	22.50	16.59	28.55	186.86	74.58	2.33	25.47	11.99	4.84	0.48	0.39	0.00	0.51	592.67
August 2019	134.849	56.755	20.306	20.980	13.329	4.520	174.780	64.419	0.000	26.899	8.424	3.996	0.790	0.275	0.058	0.032	530.412
September 2019	115.295	51.716	20.092	22.236	13.612	43.080	178.308	69.199	0.000	26.769	13.306	5.568	0.767	0.400	0.000	0.000	560.347
October 2019	77.005	34.563	16.185	21.097	14.357	46.240	106.261	73.612	2.900	23.711	3.339	1.276	0.876	0.483	0.384	0.000	422.291
November 2019	38.723	17.939	9.444	14.223	10.353	35.767	57.090	57.031	0.000	13.913	9.430	3.848	0.736	0.327	0.741	0.103	269.668
December 2019	32.538	14.967	8.273	12.155	8.971	11.381	54.323	61.115	16.991	13.608	8.465	4.033	0.741	0.229	0.625	0.354	248.769
Total	398.411	175.939	74.300	90.691	60.622	140.988	570.762	325.376	19.891	104.900	42.965	18.722	3.909	1.715	1.808	0.489	2031.49

मुख्य सम्पादक	:	पंकज कुलश्रेष्ठ, महाप्रबन्धक (वै.एवं यां.)
वरिष्ठ सम्पादक	:	राजेन्द्र सिंह, महाप्रबन्धक (का. एवं औ. सं.)
सम्पादक	:	विमल डबराल, जनसम्पर्क अधिकारी
सम्पादकीय सहयोग	:	संजय कुमार, प्रवर वर्ग सहायक

मुख्यालयः
यूजेवीएन लिमिटेड
'उज्ज्वल', महारानी बाग,
जी.एम.एस. रोड, देहरादून-248006
www.ujvnl.com

इस न्यूज लेटर में प्रकाशित लेख, सूचनाएं एवं विचार लेखकों के व्यक्तिगत हैं अथवा विभिन्न स्रोतों से लिए गए हैं। किसी भी प्रकार की विसंगति एवं त्रुटि हेतु सम्पादक मण्डल अथवा यूजेवीएन लिमिटेड जिम्मेदार नहीं हैं। न्यूज लैटर में वर्णित उपलब्धियाँ केवल सामान्य जानकारी के लिए हैं, कृपया आधिकारिक जानकारी के लिए सम्बन्धित आदेश/सर्कुलर का सन्दर्भ ग्रहण करें।

(न्यूज लैटर जल निधि के आगामी 15 अगस्त, 2020 अंक हेतु सामग्री jalnidhiujvnl@gmail.com पर मई, 2020 के उपरान्त दी जा सकती है।)

Printed by Priyanka Graphic Printers 7017695204